C M Y K

आज का विचार

रिश्ते वो होते हैं जिसमें शब्द कम पर समझ ज्यादा हो, जिसमें आशा कम और भरोसा ज्यादा है।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-103 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

आमगांव खदान के कोल स्टॉक में महीनों से धधक रही आग, प्रबंधन बेपरवाह

रायपुर, रविवार 15 जून , 2025

डब्ल्यूटीसी फाइनल में एडेन मार्कराम ने रचा इतिहास

उत्तर भारत में भीषण गर्मी बनी जानलेवा, राजस्थान में पारा 49 डिग्री के पार

नई दिल्ली, 14 जून (ए)। उत्तर और मध्य भारत में जारी गर्मी का कहर अब जानलेवा बन गया है। कई इलाकों में तापमान 44 डिग्री को पार चला गया है।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 49.4 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 8 डिग्री अधिक है।

इस बीच भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने राहत की खबर देते हुए शनिवार (14 जून) से कई इलाकों में मौसम बदलने की संभावना जताई है। इस दौरान बादलों की आवाजाही के साथ अंधड़-बारिश के संकेत हैं।

उत्तर प्रदेश में गर्मी कहर भयावह हो गया है। कई जगह तापमान 44 डिग्री को पार गया है। कुछ रिपोर्ट में दावा किया है कि लू के कारण 17 लोगों की मौत हो गई।

इसके साथ ही प्रदेश के 11 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। यहां 15 जून के बाद मौसम बदल सकता हैं।

दूसरी तरफ पंजाब में गर्मी से 2 लोगों की मौत हो गई, लेकिन शुक्रवार को तेज हवाओं के साथ बारिश से राहत मिली।

राजस्थान में गर्मी रोज नए रिकॉर्ड बना रही है। पश्चिमी जिले श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 49.4 डिग्री तक पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे अधिक तापमान है।

पंखे, कूलर ही नहीं एसी तक गर्मी से राहत देने में नाकाम साबित हो रहे हैं। जैसलमेर में शनिवार सुबह हुई हल्की बारिश के साथ कई जिलों में बादल छाने और बौछारे पड़ने से राहत मिलने की उम्मीद है। इसके बावजूद कुछ जगह लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

समूचे दिल्ली एनसीआर इलाके में भीषण गर्मी का कहर जारी है। अधिकतम तापमान भले ही 45 डिग्री हो, लेकिन लोगों को गर्मी 50 डिग्री से ज्यादा की महसूस हो रही है।

मौसम विभाग ने आईएमडी शनिवार को राजधानी में बारिश और तेज हवाएं चलने का पूवार्नुमान व्यक्त किया है।

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले कुछ दिनों में तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। साथ ही कुछ इलाकों में तेज हवाएं और तूफान जैसी स्थिति बन सकती है।

महाराष्ट्र में मानसून की दस्तक के बाद अचानक से थमा बारिश का दौर फिर शुरू हो गया है। पिछले 2 दिनों से राज्य के कई हिस्सों में जोरदार बारिश हो रही है।

इसके चलते कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानी हुई।

आईएमडी ने अगले 24 घंटों में 6 जिलों- कोल्हापुर, पुणे, रायगढ़, सांगली, सतारा और ठाणे में कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मानसून की दस्तक के बाद से ही पूर्वोत्तर और दक्षिण राज्यों में रुक-रुक कर बारिश का दौर चल रहा है।

स्काईमेट ने अगले 24 घंटों में कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, अंडमान निकोबार, लक्ष्यद्वीप, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में गरज के साथ बरसात की संभावना जताई है।

इसके अलावा, ओडिशा, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और पश्चिम बंगाल में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में बादल छाने के साथ बारिश के आसार हैं।

पहला कॉलम

पांच दिवसीय यात्रा पर पीएम मोदी जाएंगे साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया

नई दिल्ली,14 जून (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 से 19 जून तक कनाडा, साइप्रस और क्रोएशिया की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। प्रधानमंत्री कनाडा में वे जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जो भारत की वैश्विक कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने की ओर बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह यात्रा भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर मोदी कनानास्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। यह उनकी छठी जी-7 भागीदारी होगी। वे जी-7 देशों, अन्य आमंत्रित देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेताओं के साथ ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्वांटम जैसे वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इस दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी होंगी। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के निमंत्रण पर पीएम मोदी 15-16 जून को साइप्रस जाएंगे। यह 20 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की पहली यात्रा होगी। निकोसिया में वे राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और लिमासोल में व्यापार जगत के नेताओं को संबोधित करेंगे। यह यात्रा भारत-साइप्रस संबंधों को प्रगाढ़ करने और यूरोपीय संघ और भूमध्यसागरीय क्षेत्र के साथ सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण होगी।

कुछ अलग

शुभांशु शुक्ला का एक्सिओम-4 मिशन 19 जून को होगा लॉन्च

नईदिल्ली,14 जून (ए)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री कैप्टन शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष जाने वाला एक्सिओम-4 मिशन अब 19 जून को लॉन्च हो सकता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुताबिक एक्सीओम स्पेस कम्पनी ने फॉल्कन 9 रॉकेट में हुए लिक्विड ऑक्सीजन लीक को दूर कर लिया है।

इस खामी की वजह से 11 जून को लॉन्च टालना पड़ा था। इसरो, एक्सिओम स्पेस और स्पेस- एक्स के बीच बैठक के दौरान ऑक्सीजन रिसाव को सफलतापूर्वक ठीक करने की पुष्टि की है।

एक्सिओम स्पेस ने बताया कि वे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर ज्वेजदा सर्विस मॉड्यूल में दबाव विसंगति का आकलन करने के लिए नासा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

एक्सिओम स्पेस की अब इस मिशन को 19 जून को लॉन्च करने का लक्ष्य है।

इससे पहले रॉकेट के बूस्टर में लिक्विड ऑक्सीजन (एलओएक्स) का रिसाव के कारण 11 जून को प्रस्तावित लॉन्च टाल दिया गया था। एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग अब तक कई बार टल चुकी है।

खरी-खरी

नीट-यूजी 2025 का परिणाम जारी; राजस्थान के महेश टॉपर

0-छात्राओं में अविका ने लहराया परचम

नईदिल्ली,14 जून (ए)। राष्ट्रीय प्रवेश-सह पात्रता परीक्षा (नीट)-यूजी 2025 का परिणाम जारी हो गया है। राजस्थान के महेश केसवानी ने पहली और इंदौर के उत्कर्ष अवधिया ने दूसरी रैंक प्राप्त की है।

महेश को 720 में से 686 नंबर मिले हैं, जबकि उत्कर्ष ने 682 नंबर लाकर ऑल इंडिया रैंक 2 हासिल की है। छात्राओं में दिल्ली की अविका अग्रवाल ने 5वीं रैंक प्राप्त की है।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने बताया कि इस साल 12.36 लाख अभ्यर्थियों ने क्वालिफॉई किया है। सबसे पहले नीट की ऑफिशियल वेबसाइट नीट.एनटीए.एनआईसी. इन पर जाएं।

फिर होमपेज पर नीट-यूजी 2025 रिजल्ट पर क्लिक करें। यहां अपना लॉगिन क्रेडेंशियल जैसे एडमिट कार्ड नंबर, जन्म तिथि और कैप्चा कोड दर्ज करें।

अब आपका परिणाम दिख जाएगा। आप यहीं से अपना स्कोरकार्ड भी डाउनलोड कर सकते हैं।

इसके अलावा नीट.एनटीए ऑनलाइन.इन या एग्जाम.एनटीए.एसी.इन पर भी परिणाम देखा जा सकता है।

बता दें कि नीट-यूजी परीक्षा 4 मई को हुई थी।

फिलहाल 75 उम्मीदवारों का परिणाम जारी नहीं किया गया है। इन सभी ने इंदौर के कुछ केंद्रों पर परीक्षा दी थी, लेकिन आंधी-तूफान और बिजली चली जाने की वजह से इनका परीक्षा बिगड़ गई थी।

प्रभावित छात्रों ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का रुख किया था। इसके बाद 9 जून को कोर्ट ने सुनवाई करते हुए एनटीए को इन 75 उम्मीदवारों को छोड़कर बाकी सभी का परिणाम जारी करने का आदेश दिया था।

राष्ट्र की संप्रभुता से बढ़कर कुछ नहीं, हाई कोर्ट का आरोपियों को जमानत देने से इनकार

0-यूएपीए मामला

श्रीनगर,14 जून (ए)। जम्मू कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने कड़े शब्दों में फैसला सुनाते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी गतिविधियों के आरोपी दो लोगों की जमानत याचिका खारिज कर दी है. कोर्ट ने कहा कि, आम जनता की शांति और सौहार्द के अलावा राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता से ऊपर कुछ भी नहीं है.

जस्टिस संजय परिहार और न्यायमूर्ति राजेश ओसवाल की डिवीजन बेंच ने शोपियां के बिलाल अहमद कुमार और अनंतनाग के तौफीक अहमद लवे की अपील खारिज कर दी. वे दोनों जनवरी 2021 से एफआईआर संख्या 20/2021 के तहत हिरासत में हैं.

दोनों के पास से कथित तौर पर एक हथगोला और एक किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी. साथ ही उन दोनों पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से संबंध होने का आरोप है. अदालत ने 6 जून को सुनाए गए अपने 12 पन्नों के फैसले में कहा कि, अपीलकर्ता एक ऐसे मॉड्यूल का हिस्सा थे जिसमें सक्रिय आतंकवादी एजाज अहमद वानी, रईस अहमद भट भी शामिल थे. ये दोनों आतंकी साल 2021 में एक एनकाउंटर में मारे गए थे.

कोर्ट के फैसले में कहा गया कि, इस तरह की गतिविधियों का उद्देश्य आम जनता में असुरक्षा की भावना पैदा करना है, जिससे वे आतंकित महसूस करें, ताकि वे ऐसे संगठनों के निर्देशों का पालन कर सकें, जिनका एकमात्र उद्देश्य राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाना तथा राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता को कमजोर करना है. अपीलकताओं ने विशेष न्यायाधीश (यूएपीए) अनंतनाग के नवंबर 2024 के आदेश को चुनौती देते हुए तर्क दिया था कि उन्हें चार साल से अधिक समय तक जेल में रखा गया है, लेकिन मुकदमे में कोई खास प्रगति नहीं हुई है. उनके वकील वाजिद मोहम्मद हसीब ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष के पास प्रत्यक्ष सबूतों का अभाव है और उनके नाम केवल सह-अभियुक्तों के खुलासे के माध्यम से सामने आए हैं. हालांकि, बेंच ने यूएपीए की धारा 43-डी (5) के तहत कड़े जमानत प्रतिबंधों का हवाला देते हुए इन दलीलों को खारिज कर दिया, जो अधिनियम के चैप्टर 4 और 6 के तहत अपराधों पर लागू होते हैं. अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि, जमानत देने या न देने के चरण में अभियोजन पक्ष के मामले के गुण-दोष को नहीं छुआ जाना चाहिए. बरामद विस्फोटकों का नेचर और अलग-अलग दूसरे व्यक्तियों के साथ उनके (अपीलकर्ता) संबंध को देखते हुए, जो सक्रिय आतंकवादी पाए गए और उनमें से कुछ साल 2021 में मुठभेड़ में मारे गए. कोर्ट ने कहा, इसलिए ऐसे आरोपों में अपीलकताओं को हथियारों और विस्फोटक पदार्थों के परिवहन और ले जाने के लिए पैदल सैनिकों के तौर में काम करने का जिक्र किया गया है, जिनका उपयोग वास्तव में बाद में सक्रिय आतंकवादियों द्वारा विध्वंसक गतिविधियों में शामिल होने के लिए किया गया था. यह मामला 30 जनवरी, 2021 को दूनीपोरा संगम (अनंतनाग) में ग्रीन टनल के पास एक पुलिस चौकी अभियान से जुड़ा है, जहां इमरान अहमद हजाम और इरफान अहमद अहंगर नामक दो लोगों को पिस्तौल, मैगजीन और जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा गया था. जांचकताओं का कहना है कि दोनों के खुलासे के कारण बिलाल अहमद कुमार और लवे की गिरफ्तारी हुई.

अहमदाबाद विमान हादसे की उच्च स्तरीय जांच के लिए समिति गठित, 3 महीने में आएगी रिपोर्ट

नईदिल्ली,14 जून (ए)। केंद्र सरकार ने गुजरात के अहमदाबाद में 12 मई को एयर इंडिया के एआई-171 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की उच्च स्तरीय जांच के लिए बहु विषयक समिति का गठन कर दिया है।

यह समिति हादसे के कारणों की जांच करने के साथ मौजूदा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश सुझाएगी।

इससे पहले नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बोइंग के 787 ड्रीमलाइनर विमानों की बेड़े की जांच के आदेश दिए थे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, 12 जून, 2025 को अहमदाबाद से गैटविक हवाई अड्डे (लंदन) के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय बहु-विषयक समिति का गठन किया गया है। समिति ऐसी घटनाओं को रोकने और संभालने के लिए जारी मौजूदा एसओपी और दिशानिर्देशों की जांच करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए व्यापक दिशानिर्देश सुझाएगी।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह समिति संबंधित एजेंसियों द्वारा की जा रही अन्य जांचों का स्थान नहीं लेगी, बल्कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने और प्रबंधित करने के लिए बेहतर एसओपी का मसौदा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के गृह सचिव इस समिति की अध्यक्षता करेंगे।

उनके अलावा, समिति में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव, गृह मंत्रालय के अतिरिक्त या संयुक्त सचिव, गुजरात सरकार से प्रतिनिधि, गुजरात राज्य आपदा प्रतिक्रिया प्राधिकरण के प्रतिनिधि, गुजरात पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), अहमदाबाद पुलिस आयुक्त, भारतीय वायुसेना महानिदेशक, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो/महानिदेशक बीसीएएस, डीजीसीए के महानिदेशक, खुफिया ब्यूरों के विशेष निदेशक और फोरेंसिक विज्ञान सेवा निदेशालय के निदेशक को शामिल किया गया है।

मंत्रालय के अनुसार, समिति में विमानन विशेषज्ञ, दुर्घटना जांचकर्ता और कानूनी सलाहकार सहित जांच में आवश्यक किसी भी अन्य सदस्य को शामिल किया जा सकता है।

समिति की सभी रिकॉर्ड तक पहुंच होगी, जिसमें उड़ान डाटा, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर, विमान रखरखाव रिकॉर्ड, एटीसी लॉग और गवाहों की गवाही शामिल है। समिति चालक दल, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और संबंधित कर्मियों का इंटरव्यू लेकर जानकारी हासिल करेगी। समिति को 3 महीने के अंदर सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

इससे पहले शुक्रवार को डीजीसीए ने 787 ड्रीमलाइनर विमानों की जांच के आदेश दिए थे।

आदेश के अनुसार, विमान के ईंधन, हाइड्रोलिक, इंजन कंट्रोल, एयर कंप्रेसर और टेकऑफ से जुड़े तकनीकी मानकों की जांच की जाएगी।

डीजीसीए ने 2 हफ्ते में पावर एश्योरेंस चेक अनिवार्य करते हुए आदेश दिया कि 15 दिनों की तकनीकी खराबियों की समीक्षा के आधार पर मरम्मत की जाएगी। एयरलाइन को इसकी जांच रिपोर्ट डीजीसीए को जमा करनी होगी।

12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया के विमान एआई-171 उड़ान भरने के एक मिनट बाद ही हवाई अड्डे के पास स्थित इमारतों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

इस हादसे में विमान में सवार 242 लोगों में से केवल एक यात्री जिंदा बचा। मृतकों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी शामिल हैं।

वहीं, विमान जिस इमारत से टकराया, वहां भी 24 से अधिक लोगों की मौत हुई है। इनमें डॉक्टर्स शामिल हैं।

दो पुलिस अधिकारियों के हुए तबादले

दुर्ग। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने दो अधिकारियों का तबादला किया है जिनमें रक्षित केंद्र में पदस्थ निरीक्षक (इंस्पेक्टर) महेश ध्रुव को तत्काल प्रभाव से एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (सीसीयू) में स्थानांतरित किया गया है। वहीं पुलिस लाइन में तैनात उपनिरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) उदय शंकर झा को दुर्ग कोतवाली भेजा गया है। दोनों अधिकारियों को आगामी आदेश तक उनके नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

पहला कालम

भैसा बांधने की बात पर देवर-भतीजे ने की मारपीट, दो आरोपी गिरफ्तार,हत्या के प्रयास का मामलदेज

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
मामूली विवाद ने हिंसा का रूप ले लिया और मामला हत्या के प्रयास तक जा पहुंचा। लटोरी चौकी क्षेत्र के अनुजनगर निवासी फुलमतिया राजवाड़े ने चौकी पहुंचकर मामला दर्ज कराया है, जिसमें उसने अपने देवर और भतीजे पर मारपीट कर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। करंजी चौकी प्रभारी अरुण गुप्ता ने बताया कि १२ जून की रात करीब १०.३० बजे जमीन पर भैंसा बांधने की बात को लेकर पारिवारिक विवाद इस कदर बढ़ गया कि फुलमतिया राजवाड़े के पति इंदरसाय राजवाड़े पर उनके देवर चेतन राजवाड़े और भतीजे कृष्णा राजवाड़े ने गाली-गलौज करते हुए हमला बोल दिया। दोनों ने मिलकर इंदरसाय से मारपीट कर उसे सड़क पर पटक दिया, जिससे उनके सिर और आंख के पास गंभीर चोटें आईं और वे बेहोश हो गए। घायल अवस्था में इंदरसाय को तत्काल लटोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें अंबिकापुर और फिर रायपुर रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल कार्रवाई कर चेतन राजवाड़े (२८ वर्ष) और कृष्ण देव राजवाड़े (६२ वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा २९६, ३५१(३), १०९ (२), ३ (५) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश कर दिया है।

बिश्रामपुर जूनियर ग्रुप टूनार्मेंट में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
जिला सूरजपुर ड्यूज बॉल क्रिकेट एसोसिएशन के मार्गदर्शन में टैलेंट हंट एकेडमी बिश्रामपुर के द्वारा अय्यप्पा ग्राउंड में आयोजित बिश्रामपुर कप जूनियर वर्ग क्रिकेट स्पर्धा का समापन शनिवार को हुआ । फाइनल मैच में बिश्रामपुर रेड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए १०२ रन बनाकर आउट हो गई जवाब में स्कोर का पीछा करने उतरी बिश्रामपुर ब्लू को बारिश बाधित मैच मैं १५ ओवर में ८२ रनों का लक्ष्य दिया गया। जिसने ब्लू की टीम ने आसानी से ७ विकेट से जीत लिया। टूनार्मेंट के बेस्ट बॉलर का खिताब पूर्वी राजवाड़े को बेस्ट बैट्समैन देवराज सिंह को बेस्ट फील्डर अभिजीत को बेस्ट कीपर निहाल मखीजा को तथा मैन ऑफ द सीरीज अथर्व एक्का को प्रदान किया गया। साथ ही हिमांशु ठाकुर, यश बंसल ,अथर्व मिश्रा, वीर जायसवाल, शेख जीशान ,अखिल राजवाड़े ,कुशल कुशवाहा ,अंश ठाकुर ,जयस मैती ,प्रिंस गौर ,प्रखर सिंहा ,रामकृष्ण तिवारी ,दीक्षांत, अर्पित तिवारी ,शिवांश तिवारी, कान्हा मिश्रा,अंश यादव को भी बेहतर खेल कौशल और समर्पण के लिए पुरस्कृत किया गया। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश यादव पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष बिश्रामपुर अध्यक्षता राजेश जैन सेक्रेटरी जिला सूरजपुर डयूज बाल क्रिकेट एसोसिएशन विशिष्ट अतिथि दीपेंद्र चौहान उपाध्यक्ष नगर पंचायत बिश्रामपुर, अमरेश सिंह पार्षद रामनिवास तिवारी राजेंद्र पासवान प्रमोद गौर अरविंद विश्वकर्मा एवं बड़ी संख्या में अभिभावक तथा दर्शक उपस्थित रहे। नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपेंद्र चौहान ने अपने उद्बोधन में आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना कर हर संभव सहयोग हेतु आश्वस्त किया और बरसात के बाद एक बड़े टूनार्मेंट आयोजित करने की बात कही। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के राजेश जैन ने युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि राजेश यादव ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों को उनके अनुशासन के लिए बधाई दी और आगे बेहतर आयोजन करने और उसमें सहयोग की बात कही,उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों की प्रतिभा निखरती है बाद यही बच्चे आगे चलकर जिला राज्य और देश के लिए खेले उनकी अपेक्षा है।, ज। सभी अतिथियों ने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। आयोजन समिति के उग्रसेन केसरी ने बताया कि आज हमारे नगर के खिलाड़ी राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और सीसीपीएल जैसे बड़े टूनार्मेंट में अपना प्रदर्शन दिखा रहे हैं जो गौरव की बात है। अकादमी के कोच अमित मित्तल बड़े स्तर के खिलाड़ी रह चुके हैं।जो हरियाणा चंडीगढ़ के लिए खेल चुके हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीनियर खिलाड़ी वरुण राज अमन नमन राजू समीर चंद्रशेखर दीपक वंश नवीन ठाकुर राहुल गुप्ता स्वास्तिक केसरी रौनक उपाध्याय एवं अन्य खिलाड़ियों ने अपना योगदान दिया। अंपायर की भूमिका मैं आदित्य विश्वास और अतुल त्रिपाठी नजर आए। अकादमी के संचालक यू.पी, केसरी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

रक्तदान शिविर में चिकित्सकों कॉलरी कर्मियों ने उत्साह के साथ किया रक्तदान

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
१४ जून विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर एसईसीएल केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में केंद्रीय चिकित्सालय के चिकित्सक,अस्पताल के स्टॉफ व कॉलरी कर्मियों ने उत्साह के साथ रक्तदान किया।आयोजन में कुल पैंतालीस लोगों के रक्तदान से पैतालीस यूनिट रक्त का संग्रह हुआ जिसे सुरजपुर जिला चिकित्सालय के बल्ड बैंक में संग्रह कराया गया है।रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि एसईसीएल महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह उपस्थित थे।अन्य अतिथियों में क्षेत्रीय प्रबंधक मानव संसाधन एस के पी शिंदे जेसीसी वेलफेयर के सदस्य उपस्थित थे।शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह ने उपस्थित जनों को नियमित रूप से रक्तदान करने लोगो को इस हेतु जागरूक करने आवश्यकता पड़ने पर बिना किसी लोभ व बिना किसी भेदभाव के रक्तदान करने की शपथ दिलाया।मुख्य अतिथि श्री सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि रक्तदान से बढ़कर दूसरा कोई पुण्य का कार्य नहीं हो सकता है।रक्तदान जीवनदान ही नहीं अपितु आशाओं को पूरा करने का बड़ा माध्यम है,उन्होंने कहा कि आज भी रक्तदान को लेकर लोगों में जागरूकता की कमी है लोग सोचते हैं कि रक्तदान करने से उनके शरीर में खून की कमी हो जाएगी और वे कमजोर हो जाएंगे जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है रक्तदान करने से हमारे शरीर का बल्ड सकुर्लेशन बेहतर होता है साथ ही शरीर में नए रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है।उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से लोग जागरूक होंगे और लोगों को देख रक्तदान करने उन्हें प्रेरणा भी मिलेगी।कार्यक्रम को पैथोलॉजिस्ट डॉ आजाद भगत,एरिया मेडिकल ऑफिसर डॉ उमाशंकर बैठा, जे सी सी सदस्य देवेंद्र मिश्रा,पंकज गर्ग,महेश गुप्ता सहित अन्य अतिथियों ने भी संबोधित कर रक्तदान पर अपनी अपनी बातें रखी।शिविर में केंद्रीय चिकित्सालय के चिकित्सकों डॉ यूएस बैठा, डॉ हर्षवर्धन, डॉ श्रीता लाल सहित अस्पताल के स्टॉफ जेसीसी सदस्य कॉलरी कर्मी सहित कुल ४५ लोगों ने रक्तदान किया।आयोजन को सफल बनाने केंद्रीय चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ यूएस बैठा, डॉ निरंजन कुमार, डॉ श्रीता लाल, डॉ हर्षवर्धन, डॉ वीर भरत, डॉ हरिकेश, डॉ संगीता महंत, डॉ आशुतोष, डॉ शुभांगी एवं केंद्रीय चित्सालय के समस्त स्टॉफ एवं जिला चिकित्सालय के पैथोलॉजिस्ट डॉ आजाद भगत व उनकी टीम उपस्थित रह शिविर को संपन्न कराया।कार्यक्रम का संचालन डॉ श्रीता लाल ने किया।

आमगांव खदान के कोल स्टॉक में महीनों से धधक रही आग, प्रबंधन बेपरवाह

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के आमगांव ओपन कास्ट परियोजना के कोल स्टॉक में पिछले बीस बाइस दिनों से आग लगी हुई है आरोप है कि प्रबंधन आग बुझाने गंभीर प्रयास नहीं कर रहा परिणाम स्वरूप आग बढ़ती जा रही है । बताया जाता है कि आमगांव खदान में तीन कोल स्टॉक हैं यहां तीनों कोल स्टॉक में पिछले दिनों लगी आग धधक रही है।कोल स्टॉक में लगी आग से दिन रात उठ रहे धुएं के गुब्बार से खदान सहित आसपास का इलाका धुआं धुआं हो गया है। खदान प्रबंधन की नाकामी कोल स्टॉक में लगी आग के विषय में जब खदान के मैनेजर गणेश प्रसाद कुम्हार से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो वे भड़क गए और कहा कि आग लगी है कैसे लगी है मैं क्या बताऊं जिससे सवाल उठ रहा है कि आखिर कब तक लापरवाही की चिंगारी कोयले के ढेर को राख में बदलती रहेगी और अधिकारी जायज सवालों से कब तक मुंह मोड़ते रहेंगे। जानकारी के मुताबिक आमगांव खदान के तीनों कोल स्टॉक जो कि बड़ी मात्रा में सैकड़ों टन कोयला पड़ा हुआ इसमें आग लगने से आसपास के इलाके में चारों तरफ धुआं, गरम हवा और गंध असहनीय हो चला है। स्थानीय श्रमिकों और ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार इसकी जानकारी प्रबंधन को दी, लेकिन आग बुझाने के लिए ना कोई गंभीर कदम उठाया गया और ना ही अब तक आग पर कोई नियंत्रण पाया जा सका है। लोगों का कहना है कि आग से लगातार उठ रहे धुएं ने न केवल खदान परिसर बल्कि आसपास के गांवों की हवा को भी प्रदूषित कर दिया है। आमगांव व आसपास गांवों में रहने वाले लोग सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं।विशेषज्ञों का कहना है कि कोयले में लगी आग से निकलने वाला धुआं जहरीले गैसों से युक्त होता है, जो अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और आंखों में जलन जैसी बीमारियों को बढ़ावा देता है।खदान प्रबंधन की चुप्पी अब सवालों के घेरे में है। करोड़ों की संपत्ति कोयले के रूप में जल रही है जिससे पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है।सूत्रों ने बताया कि खदान के अधिकारी कोल स्टॉक में लगी आग को बुझाने पूरी ताकत इसलिए नहीं झोंकते ताकि इसकी आड़ में कोयला शॉर्टेज या अन्य गड़बड़ियों को छिपाया जा सके।

भाजपा और ईडी के खिलाफ कांग्रेस का पुतला दहन, बलरामपुर में किया गया विरोध प्रदर्शन

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) की ओर से की जा रही कार्रवाइयों के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने आज प्रदेशव्यापी प्रदर्शन किया। इसी क्रम में बलरामपुर जिले में भी कांग्रेस कार्यकताओं ने भाजपा और ईडी का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। यह विरोध प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष अशोक सिंह राजू के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकताओं ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर आरोप लगाया कि ईडी की कार्रवाई पूरी तरह से राजनीतिक विद्वेष से प्रेरित है और यह भाजपा के इशारे पर लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग है।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सुकमा में कांग्रेस कार्यालय को अटैच किया जाना राजनीतिक बदले की भावना का प्रमाण है। उन्होंने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया और कहा कि कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी, और इस लड़ाई को जनता के बीच लेकर जाएगी। पुतला दहन में मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नन्हेलाल गुप्ता, संजीव गुप्ता, चांदो ब्लॉक अध्यक्ष (अब्दुल्ला खान) तातापानी मंडल अध्यक्ष (जसीम अंसारी), महराजगंज मंडल अध्यक्ष(समरबहादुर सिंह), संतोष यादव, गोविंदराम, सादिक सिद्दिकी (पलटन) सेवादल से प्रेमसागर सिंह, शौकत अली, महमूद खान, दिनेश, इस्लाम, फिरोज खान, हबीबुल्लाह अंसारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आधुनिक शिक्षा में ए.आई. की भूमिका अवगत हुए शिक्षक साई स्कूल में आयोजित हुआ एकदिवसीय प्रशिक्षण

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
श्री साई बाबा स्कूल में शनिवार को एक दिवसीय शिक्षण प्रशिक्षण आधुनिक शिक्षा में ए.आई. की भूमिका विषय पर आयोजित हुआ। अम्बिकापुर सैनिक स्कूल के पी.जी.टी. अंग्रेजी प्रकाश तिवारी और भिलाई के रामनगर शकुतंला विद्यालय विभागा अध्यक्ष स्मिता साहू ने सभी को कृत्रिम बुद्धि और उसके उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि आप कक्षा में टूल्स के रूप में एआई का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि कक्षाओं में एआई का उपयोग विद्यार्थियों के लिए सहजतापूर्ण और सरल होना चाहिए। विषय को बोधगम्य बनाने के लिए उपयोग करें। उन्होंने एआई के चैटजीपीटी, एजीआई, गूगल चैट, प्रजेंटेशन एआई, कैनवा, कहूट, क्विजी, पोयम जोक्स, ग्रामरली आदि प्रोग्रामों को संचालित कर प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण को रूचिपूर्ण बनाने के लिए शिक्षक-शिक्षिकाओं के बीच प्रतियोगिता करवाई गई। प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों को एप्प का उपयोग अपनी शिक्षा पद्धिति और कक्षा में उपयोगी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तत्वावधान में आयोजित प्रशिक्षण में सरगुजा संभाग के विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों ने सहभागिता निभाई।

इससे पहले अतिथियों का स्वागत प्राचार्य प्राची गोयल और चंदा किरण अम्बष्ट ने पुष्प गुच्छ प्रदान कर किया। अतिथियों और शिक्षकों का स्वागत विनीता कच्छप ने किया। प्राचार्य प्राची गोयल ने एआई और उसके बदलते स्वरूप बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एआई जॉब नहीं छिनेगा, बल्कि आपका सहयोग करेगा।

उन्होंने बताया कि अब शिक्षक कक्षा को सरल और रूचिकर बनाये रखेंगे। इस अवसर पर प्रबंध समिति के सचिव अजय कुमार इंगोले और अलका इंगोले ने प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों को प्रोत्साहित किया। शिक्षिका विनिता कच्छप ने अतिथियों को आभार प्रकट किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने ने भानु शंकर झा, रजनी तिवारी, प्रशांत दुबे, उद्देश मंडल, स्वाति सिंह, सारिका गुप्ता आदि ने सहयोग किया।

वषाकाल में भी व्यवधान-मुक्त रेल सेवा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है बिलासपुर मंडल

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा मानसून के दौरान भी सुगम एवं निर्बाध रूप से व्यवधान-मुक्त रेल सेवा प्रदान करने हेतु प्री-मानसून तैयारी के कार्य तीव्र गति से पूरे कराये जा रहे हैं। मंड़ल रेल प्रशासन द्वारा मानसून के दौरान गाडि?ों के पहिये को चलायमन रखने और निर्बाध रेल सेवा सुनिश्चित करने के लिए सभी सेक्शनों के जलभराव वाले स्थानों, बोल्डर स्खलन होने वाले पहाड़ों, साइड ड्रेन, पुलों में पानी निकासी के रास्तों, पहाड़ों से आने वाली पानी के ड्रेन प्रणाली आदि का गहन निरीक्षण कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य कराया गया है। जलभराव वाले स्थानों पर पानी की निकासी हेतु पाइप लगाए गए हैं।

बोल्डर स्खलन होने वाले पहाड़ों के पास स्खलन को रोकने तथा बोल्डर गिरने वाले क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर सभी ढीले बोल्डर हटा दिए गए हैं। पहाड़ों से आने वाली पानी के ड्रेन प्रणाली को पटरियों में आने से रोकने हेतु ड्रेन को डायवर्ट किया गया है, इसके साथ ही साथ नालियों तथा ड्रेन प्रणाली के आसपास के कचरों को हटाकर विशेष सफाई कराई गई है। सभी संवेदनशील स्थानों पर चौबीसों घंटे मोबाइल/स्थिर गश्ती दल तैनात किए जा रहे हैं। तूफान के दौरान ट्रैक पर गिरने वाले पेड़ों को हटाने/छंटाई/काटने का काम पूरा किया जा रहा है। ट्रैक सर्किट वाले क्षेत्रों में स्टेशन/यार्ड में क्रॉस और अनुदैर्ध्य नालियों की व्यवस्था की गई है। ट्रैक सर्किट वाले क्षेत्रों में काम करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में कर्मचारियों को परामर्श भी दिया गया है।

इसके अलावा मंडल के सभी सम्बन्धित विभागों द्वारा मानसून पूर्व सावधानी अभियान चलाया गया है, जिसके तहत समपार फाटकों, रेल पुलों, रेल पथों, संरक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े संसाधनों, ओ.एच.ई.लाइन, सम्बद्ध उपकरणों, सिग्नल प्रणाली आदि का सघन निरीक्षण एवं जांचकर आवश्यकतानुसार उनका अनुरक्षण किया गया है, जिससे बारिश के दौरान भी रेल परिचालन निर्बाध और सुचारू रूप से चलता रहे। मंडल में अत्यधिक बारिश की स्थिति में उपयोग के लिए मानसून रिजर्व सामग्री जैसे मालगाड़ी के डिब्बों में रेती एवं पत्थर, गिट्टी आदि जमा कर संबन्धित स्थानों पर रखी गई है जिससे किसी भी आपातकालीन स्थिति से आसानी से निपटा जा सके।

गुजरात विमान हादसे में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए भाजपा ने किया दीप प्रज्वलन और मौन श्रद्धांजलि

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
आज देर शाम विवेकानंद चौक, अंबिकापुर में भारतीय जनता पार्टी सरगुजा के पदाधिकारियों, कार्यकताओं और नागरिकों द्वारा गुजरात में हुई दुखद विमान दुर्घटना में मृतकों की आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्वलित कर तथा दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
यह कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के आह्वान पर आयोजित किया गया, जिसमें सांसद चिंतामणि महाराज सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगतों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से मृत आत्माओं की शांति व उनके परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता, महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला उपाध्यक्ष अंबिकेश केसरी, विकास पांडे, मधुसूदन शुक्ला, निलेश सिंह, रूपेश दुबे, मनोज कंसारी, निश्चल प्रताप सिंह, शैलेंद्र शर्मा, अशोक दुबे, संजू वर्मा, शरद सिन्हा, अनीश सिंह, नकुल सोनकर, रिंकू वर्मा, दूधनाथ गोस्वामी, अनिल तिवारी, मयंक जायसवाल, धनंजय मिश्रा, शंभु सोनी, गोलू यादव, रंजीत चौबे सहित भाजपा के अन्य कार्यकर्ता, पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

छोटी खबरें

भारी वाहनों से क्षतिग्रस्त हुई सड़क, नाराज ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

कोरबा अम्बिकावाणी - करतला विकासखंड के ग्राम डोंगाआमा-सलिहाभांठा क्षेत्र में पीएमजीएसवाय के तहत बनी ग्रामीण सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। खराब सड़क और आवागमन में हो रही परेशानियों को लेकर ग्रामीणों ने चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लगी एक कंपनी द्वारा भारी वाहनों के लगातार आवागमन से करोड़ों की लागत से बनी सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। शासन को पूर्व में कई बार इसकी लिखित जानकारी देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में क्रेशर प्लांट से प्रतिदिन ओवरलोड गिट्टी और पत्थर का परिवहन किया जा रहा है, जिससे सड़क की हालत बेहद जर्जर हो गई है। इससे आसपास के कई गांवों के लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सूचना मिलते ही करतला तहसीलदार और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराया। उन्होंने संबंधित ठेकेदारों व कंपनियों को आवश्यक निर्देश देने का भरोसा भी दिलाया।

अंतरराष्ट्रीय सर्जन सप्ताह पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर। सर्जन- एक ऐसा नाम जो न केवल चिकित्सा विज्ञान की तकनीकी बारीकियों को जानता है, बल्कि हर टांके में नई आशा, हर ऑपरेशन में एक जीवन, और हर निर्णय में संवेदना का स्पर्श भी रखता है। ऐसे ही समर्पित सर्जनों के योगदान को सम्मानित करने हेतु, जनरल सर्जरी विभाग, डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर द्वारा अंतरराष्ट्रीय सर्जन सप्ताह के अवसर पर जनजागरूकता कार्यक्रम तथा पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य सर्जनों की समाज में भूमिका को रेखांकित करना, उनकी सेवा भावना को जनसामान्य तक पहुँचाना तथा सर्जिकल स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति आम जनता में जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत युवा चिकित्सकों द्वारा सर्जरी, कैंसर से बचाव, पोस्ट-ऑपरेटिव केयर और जनजागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर रचनात्मक पोस्टर प्रदर्शनी प्रस्तुत की गई, जिससे चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं को सरल और प्रभावी रूप में जनमानस तक पहुँचाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. मंजू सिंह (विभागाध्यक्ष, जनरल सर्जरी विभाग) ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा "कैंसर से बचाव उसका सर्वोत्तम इलाज है। शीघ्र निदान और समय पर उपचार अनेक जटिलताओं को रोक सकता है। सर्जरी केवल उपचार नहीं, बल्कि एक नई जीवन दिशा देने का कार्य है।" डॉ. मंजू सिंह ने वर्तमान में सर्जरी की शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और एक कुशल, संवेदनशील सर्जन बनने हेतु प्रेरित किया। वरिष्ठ सर्जन डॉ. अमित अग्रवाल ने अम्बेडकर अस्पताल में किए जा रहे निःशुल्क एवं जटिल ऑपरेशनों की जानकारी साझा करते हुए आमजन को बेहतर इलाज के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालय से संबध्द अम्बेडकर अस्पताल एक ऐसा संस्थान है, जहाँ तकनीक, विशेषज्ञता और सेवा भावना एक साथ कार्य करती है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु विद्यालय आबंटन की सूची जारी

कोरबा अम्बिकावाणी - एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में सीबीएसई पाठ्यक्रम अंतर्गत कक्षा ६वीं में प्रवेश हेतु विद्यालय आबंटन सूची जारी की गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवेश परीक्षा ०२ मार्च को आयोजित की गई थी, जिसके परिणाम ०२ अप्रैल को एवं मेरिट सूची ०५ मई को जारी किए गए थे। साथ ही १९ से २२ मई तक काउंसलिंग भी आयोजित की गई थी। काउंसलिंग पश्चात प्राथमिकता के आधार पर एकलव्य विद्यालयों का आबंटन किया गया है। चयनित अभ्यर्थी जिले की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डाट जीओव्ही डाट इन पर विद्यालय आबंटन की सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

शासन की योजनाओं से सशक्त बनी जशपुर की उद्यमी महिला लालमती

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण की योजनाएं अब धरातल पर सकारात्मक परिणाम देने लगी हैं। इसकी एक प्रेरणादायी मिसाल हैं जशपुर जिले के गम्हरिया ग्राम की श्रीमती लालमती, जिन्होंने शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभ लेकर आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है। उन्होंने अपने दृढ़ संकल्प और मेहनत से न सिर्फ स्वयं की पहचान बनाई, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया है। श्रीमती लालमती का जीवन एक साधारण मजदूर से सफल उद्यमी बनने की कहानी है। जब वे प्रजापति गौरी स्व-सहायता समूह से जुड़ीं, तब उन्हें बिहान योजना के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ मिला। उन्होंने उद्योग विभाग से लोन प्राप्त कर शटरिंग प्लेट का व्यवसाय प्रारंभ किया और बाद में जनवरी 2025 में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत ऋण लेकर अपने व्यवसाय को विस्तार दिया। आज श्रीमती लालमती के पास 200 से अधिक शटरिंग प्लेट हैं, जो वे निजी भवनों एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन आवासों की छत ढलाई हेतु किराये पर उपलब्ध कराती हैं। फरवरी 2025 से अब तक इस व्यवसाय से उन्हें लगभग 35,000 से 40,000 रुपये की आय हुई है। यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है क्योंकि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गांव में कई मकानों का निर्माण कार्य चल रहा है। श्रीमती लालमती ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि, यदि शासन की योजनाओं का साथ न होता, तो मैं आज इस मुकाम तक नहीं पहुंच पाती। शासन ने हमें हौसला दिया, साधन उपलब्ध कराए और नई राह दिखाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सरकार का यह दृढ़ संकल्प है कि ग्रामीण अंचलों की महिलाएं आत्मनिर्भर बनें और आर्थिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाएं। बिहान, मुद्रा योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से हम महिलाओं को न केवल वित्तीय सहयोग दे रहे हैं, बल्कि उन्हें प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और बाजार तक पहुँच भी प्रदान कर रहे हैं।

शाला प्रवेशोत्सव हेतु स्कूलों की साफ सफाई सहित अन्य आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

प्राइमरी से हाई स्कूल तक शिक्षकों की आवश्यकता की मांगी सूची

नए शिक्षण सत्र में 01 जुलाई से स्कूलों में नास्ता वितरण होगा प्रारम्भ

कोरबा अम्बिकावाणी - कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। उन्होंने विभागीय कामकाम की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने नए शिक्षण सत्र हेतु शाला प्रवेशोत्सव की तैयारियों की जानकारी लेते हुए विभागीय अधिकारियों को सभी स्कूलों की १६ जून से पूर्व साफ सफाई सहित आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने शाला प्रवेशोत्सव के साथ ही आंगनबाड़ी से पहली बार शाला में प्रवेश लेने वाले बच्चों का जाति प्रमाण पत्र वितरित कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने शाला खुलने के पश्चात विद्यालयों में ०१ जुलाई से नास्ता वितरण प्रारंभ कराने की बात कही। इस हेतु अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में आवश्यक तैयारियां पूरा करने के लिए कहा। साथ ही स्कूलों में नास्ता वितरण व गैस सिलेंडर की व्यवस्था हेतु नए प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने इस शिक्षण सत्र से स्कूलों में नास्ता एवं भोजन तैयार करने वाले रसोईयों का मानदेय में वृद्धि करते हुए १००० रुपए प्रतिमाह प्रदान करने की बात कही। बैठक में कलेक्टर ने जिले में हुए युक्तियुक्तकरण की कार्यवाही के सम्बंध में जानकारी लेते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाईकोर्ट के आदेशानुसार याचिका वाले सभी प्रकरणों का निरीक्षण कर समिति से निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही शिक्षकों के अभ्यावेदन का भी पुनरीक्षण कर प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को जिले के प्राइमरी व मिडिल स्कूलों में दर्ज बच्चों की संख्या एवं हाई स्कूल में विषयवार शिक्षकों की नियुक्ति अनुसार शिक्षकों की रिक्त पद अनुरूप आवश्यकता वाले विद्यालयों की सूची यथाशीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिससे इन विद्यालयों में शिक्षण सत्र प्रारम्भ होने के साथ ही अतिथि शिक्षकों/व्यख्याताओं की व्यवस्था की जा सके। कलेक्टर ने विगत शिक्षण सत्र २०२४-२५ की बोर्ड एवं अन्य कक्षाओं की परीक्षा परिणाम की समीक्षा करते हुए कमजोर परीक्षा फल वाले विद्यालयों की रिजल्ट में सुधार हेतु विशेष प्रयास करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने रायपुर के एलेन कोचिंग संस्थान में नीट/जेईई प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए गए जिले के मेधावी छात्रों के पढ़ाई के संबंध में जानकारी लेते हुए छात्रों का समय पर शाला में प्रवेश पूर्ण कराने के लिए कहा। उन्होंने जिले के विद्यालयों में विकसित किए जा रहे एस्ट्रॉनॉमी लैब का भी शीघ्रता से कार्य पूर्ण कराने की बात कही। बैठक में कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अन्य योजनाओं की भी समीक्षा करते हुए विभागीय योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश नाग, जिला शिक्षा अधिकारी टी पी उपाध्याय, जिला मिशन समन्वयक मनोज पांडे सहित सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सहायक शिक्षक विज्ञान के पद पर समायोजन के लिए ओपन काउंसिलिंग 17 से 26 जून तक

रायपुर। प्रदेश में सीधी भर्ती 2023 में नियुक्ति उपरांत सेवा समाप्त किये गये 2621 बी.एड. अर्हताधारी सहायक शिक्षकों को सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पद पर समायोजन के लिए ओपन काउंसिलिंग की प्रक्रिया होगी। इसके लिए राज्य स्तरीय काउंसिलिंग की कार्यवाही एससीईआरटी परिसर शंकर नगर रायपुर में 17 जून से 26 जून तक की जाएगी। काउंसिलिंग के पश्चात अभ्यर्थी द्वारा चुने गए विद्यालय के लिए नियुक्ति पत्र जारी करना तथा दस्तावेजों का सत्यापन का काम जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा 25 जून से 4 जुलाई तक किया जाएगा। बीएड अभ्यर्थियों को आदेश जारी होने के 7 दिवस के भीतर संबंधित शालाओं में कार्यभार ग्रहण करना होगा। स्कूल शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार काउंसिलिंग के लिए 29 जिलों के 103 विकासखण्डों की 1520 शालाओं से 2621 रिक्त पद लिए गए हैं। इनमें दुर्ग-रायपुर-बिलासपुर एवं जांचा-जांजगीर जिले को शामिल नहीं किया गया है। अधिसूचित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में सेजेस शामिल होने के कारण सेजेस विद्यालयों को भी शामिल किय गया है। गौरतलब है कि बीएड अथ्यर्भियों के प्रकरण पर विचार के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति की अनुशंसा अनुसार बस्तर संभाग, सरगुजा संभाग, अधिसूचित विकासखण्डों तथा इससे संलग्न निकट के विकासखण्ड एवं राज्य के सीमावर्ती विकासखण्डों में स्थित शालाओं की रिक्तियों को शामिल किया गया है। संलग्न विकासखण्डों को शामिल करते समय यह ध्यान रखा गया है कि वे मुख्यालय से दूर हो एवं वहाँ शिक्षकों की उपलब्धता कम हो। यह भी उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 30 अप्रैल को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में सीधी भर्ती 2023 में नियुक्ति उपरांत सेवा समाप्त किये गये 2621 बी.एड. अर्हताधारी सहायक शिक्षकों के हित में महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए उन्हें सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पद पर समायोजन करने का निर्णय लिया गया था। हटाये गए बी.एड अर्हताधारी सहायक शिक्षकों को सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के राज्य में रिक्त 4,422 पदों में समायोजित करने तथा समायोजन गैर विज्ञापित पदों पर करने इसी प्रकार कला/विज्ञान संकाय से 12वीं उत्तीर्ण सहायक शिक्षकों को निर्धारित अर्हता (12वीं गणित/विज्ञान) पूर्ण करने हेतु 3 वर्ष की अनुमति देने का निर्णय लिया गया था। साथ ही इन अभ्यर्थियों को प्रयोगशाला कार्य के संबंध में एस.सी.ई.आर.टी. के माध्यम से दो माह का विशेष प्रशिक्षण देने और अन्य पिछड़ा वर्ग के शेष 355 अभ्यर्थियों के लिए सांख्येत्तर पदों का सृजन करने का निर्णय लिया गया था।

आरबीसी 6-4 के तहत कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने मंजूर की मुआवजा राशि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निदेर्शानुसार जिला प्रशासन आपदा और दुर्घटनाओं के मामलों में तेजी से कार्रवाई कर रही है। आरबीसी 6-4 के तहत मुआवजा वितरण की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर प्रभावित परिवारों को सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में जान गंवाने वाले जिले के पांच मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

नया सवेरा स्कूल के पास अवैध रोड को काटकर अवैध निर्माण पर निगम ने लगाई रोक

रायपुर। जोन 7 नगर निवेश विभाग द्वारा आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार और एसडीएम रायपुर श्री नन्द कुमार चौबे, तहसीलदार श्री प्रवीण परमार, जोन 7 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा के निदेर्शानुसार कार्यपालन अभियंता श्री ईश्वर लाल टावरे, उप अभियंता नगर निवेश सुश्री रुचिका मिश्रा की उपस्थिति में जोन 7 क्षेत्र अंतर्गत गोकुल नगर नया सवेरा स्कूल के पास अवैध रोड को जेसीबी मशीन की सहायता से काटकर अवैध निर्माण पर तत्काल कारगर रोक लगायी गयी और प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निराकरण किया गया।

दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना से आत्मनिर्भर बनीं भुनेश्वरी

00 एक लाख रूपए का मिला अनुदान तो स्वरोजगार हुआ स्थापित, जीवन हुआ खुशहाल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के हित में अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। रायपुर के मोवा में रहने वाली श्रीमती भुनेश्वरी साहू के जीवन में बदलाव आया है इसकी पृष्ठभूमि पहले हमें देखनी होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने ई-रिक्शा को प्रोत्साहित किया। यह प्रदूषण मुक्त और सस्ता साधन है जिससे आज महिलाओं के जीवन में भी बड़ा बदलाव आया है। लोगों को भरपूर सब्सिडी मिली और बैंक लिंकेज का लाभ मिला। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार ने श्रम विभाग की योजनाओं से इसे जोड़ दिया और यह सोने पर सुहागा साबित हुआ। आज भुनेश्वरी की जिंदगी भी विकास की तेज रफ्तार के साथ बढ़ रही है।

रायपुर के एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली श्रीमती भुनेश्वरी साहू कभी रोजी-मजदूरी कर अपने परिवार के खर्चों में अपना योगदान देती थीं। सीमित आय और कठिन परिस्थितियों में जीवन जीते हुए भी उन्होंने हार नहीं मानी। उनके अंदर आत्मनिर्भर बनने की इच्छा थी, जिसे उन्होंने कभी खत्म होने नहीं दिया। आज श्रीमती भुनेश्वरी साहू अपने आत्मविश्वास, मेहनत और छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से समाज में एक सशक्त महिला के रूप में सामने आई। अब वे अपने पैरों पर खड़ी हैं और दूसरों के लिए एक प्रेरणा बन चुकी हैं।

लगभग डेढ़ साल पहले उन्होंने दीदी ई-रिक्शा योजना के तहत एक ई-रिक्शा खरीदी और उसे ही अपनी आजीविका का साधन बना लिया। इस योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा पंजीकृत महिला श्रमिकों को ई-रिक्शा खरीदने पर 1 लाख रूपए की सब्सिडी प्रदान की जाती है। श्रीमती साहू ने इस योजना का लाभ उठाते हुए न केवल अपना स्वरोजगार स्थापित किया, बल्कि अपनी मेहनत से यह सिद्ध कर दिखाया कि अगर अवसर मिले और हौसला हो, तो कोई भी महिला आत्मनिर्भर बन सकती है और किसी भी मुकाम को हासिल कर सकती है।

वर्तमान में श्रीमती साहू प्रतिदिन 6 से 8 घंटे ई-रिक्शा चलाती हैं और उसी से प्राप्त आय से अपने घर का खर्च चलाने के साथ-साथ अपने बच्चों को पढ़ा रही हैं। वे नियमित रूप से लोन की मासिक किश्त ईएमआई चुका रही हैं और भविष्य में अपने व्यवसाय के विस्तार का सपना देख रही हैं। उनका मानना है कि स्वरोजगार केवल आय का स्रोत नहीं होता, बल्कि यह आत्मसम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक होता है। श्रीमती भुनेश्वरी साहू कहती हैं, पहले मैं एक श्रमिक के रूप में काम करती थी और मुश्किल से घर चलाती थी। लेकिन मेरा सपना था कि मैं कुछ अपना करूं, जिससे न केवल मेरा बल्कि मेरे बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित हो सके। जब मैंने छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीयन कराया, तब मुझे श्रम विभाग से जानकारी मिली कि सरकार महिलाओं के लिए स्वरोजगार की योजनाएं चला रही है। जब मैंने दीदी ई-रिक्शा योजना के बारे में जाना, तो मुझे लगा कि यही मौका है। मैंने साहस किया, आवेदन किया और आज परिणाम मेरे सामने है।

श्रीमती साहू कहती हैं कि सरकार की योजनाएं हम जैसे श्रमिकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। आज मैं अपने दम पर खड़ी हूं, अपने परिवार का सहारा बनी हूं और समाज में आत्मविश्वास के साथ जी रही हूं। मैं छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की आभारी हूं, जिनकी सोच और योजनाओं की वजह से आज हम महिलाएं मुख्यधारा से जुड़कर एक सम्मानजनक और खुशहाल जीवन बिता रहे हैं।

सुरवीन चावला ने साझा किए सक्सेस मंत्र

टेलीविजन पर 'कहीं तो होगा', बड़े परदे पर 'हेट स्टोरी 2' और ओटीटी पर 'सेक्रेड गेम्स' से तहलका मचाने वाली अभिनेत्री सुरवीन चावला भले 40 साल की हो चुकी हों, लेकिन उनकी अदाओं और उनकी शोखियों के दीवाने कम नहीं हुए हैं। सुरवीन की दो वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस 4' और 'राणा नायडू 2' इन दिनों हर तरफ चर्चा में हैं। सुरवीन की अपनी शख्सियत ऐसी रही है कि उनको टेलीविजन से लेकर सिनेमा और अब ओटीटी पर हर तरफ प्यार मिल रहा है। एक बातचीत में सुरवीन ने अपनी शख्सीयत की चार बातें साझा कीं।

समय के साथ निखरते रहना जरूरी

सुरवीन से जब बात सुंदर दिखने और अच्छे अभिनय में पहली प्राथमिकता को चुनने की आई तो वह कहती हैं, जिस एक नियम को मैं अपने अभिनय यात्रा में लगातार अपनाती आई हूं, वह है अपनी कला के निखार के लिए लगातार मेहनत करना। ये सही है कि किसी हीरो या हीरोइन के लिए उसका कैमरे के सामने सुंदर दिखना भी जरूरी है लेकिन मेरा मानना है कि अभिनय एक ऐसा हुनर है जो समय के साथ साथ निखरता ही जाना चाहिए।

एक समय में एक ही जगह ध्यान

सुरवीन चावला के करियर की एक खास बात उनको बहुत फोकस्ड रहना भी रहा है। जब उन्होंने टेलीविजन किया तो जी भरकर किया और जब सिनेमा में उन्हें अपनी मादकता दिखाने का वक्त आया तो वह उसमें भी पीछे नहीं रहीं। सुरवीन कहती है, किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए बहुत जरूरी होता है ध्यान केंद्रित रखना। जैसे जैसे हमारे आसपास डिजिटल दुनिया का असर बढ़ रहा है, हमारा ध्यान एक जगह केंद्रित हो पाना बहुत मुश्किल है। लोगों को 30 सेकंड की रील्स में ही मनोरंजन मिल जा रहा है, ऐसे में कलाकारों के सामने दर्शकों को बांधकर रख पाने की चुनौती सबसे बड़ी है।

कहानी के चयन में सावधानी जरूरी

सुरवीन के हिट धारावाहिकों की लंबी लिस्ट रही है। वह फिल्में भी कमाल की कर चुकी है। और ओटीटी पर तो उनका धमाल लगातार जारी है। इतनी दमदार कहानियां चुनने के पीछे उनका कौन सा कारक काम करता है, ये पूछने पर सुरवीन चावला कहती हैं, किसी भी कहानी को सुनते समय और उसे स्वीकार करते समय मुझे उस किरदार के कहानी पर पड़ने वाले असर को ध्यान रखना होता है। मैं फैसला इस बिंदु से लेती हूं कि क्या ये किरदार अगर कहानी से हटा दिया जाए तो कहानी वैसी ही बनी रहेगी? अगर इसका उत्तर नहीं है तो ही मुझे कहानी पसंद आती है।

बिना तैयारी के मत आइए

दो दशक से ज्यादा समय से लगातार कैमरे के सामने अपनी दमदार मौजूदगी कायम रखने कामयाब रहीं सुरवीन चावला अभिनय में आने की इच्छुक युवतियों के लिए एक अच्छी सलाह देती हैं। वह कहती हैं, हीरोइन बनने के लिए इच्छुक किशोरियों और युवतियों को मेरी सलाह तो यही है कि अभिनय क्षेत्र किसी भी दूसरे पेशेवर क्षेत्र की तरह चुनौतियों से भरा है। यहां सफलता का कोई शॉर्टकट काम नहीं आता। लंबी रेस में बने रहना है तो इसमें पूरी तैयारी के साथ आना ही ठीक रहेगा।

'मां' से तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार काजोल

काजोल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मां' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई है। अभिनेत्री अपनी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त है। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म मे अभिनेता अजय देवगन बतौर प्रोड्यूसर जुड़े हुए हैं। हालांकि, अजय देवगन और काजोल कई फिल्मों मे एक साथ भी नजर आ चुके हैं। अब काजोल ने अजय देवगन के बतौर प्रोड्यूसर काम करने के तरीके को लेकर बात की और बताया कि एक प्रोड्यूसर के तौर पर अजय कैसे है।

अनुभवी प्रोड्यूसर हैं अजय

एएनआई के साथ बातचीत में काजोल ने अजय के फिल्म 'मां' के प्रोड्यूसर होने को लेकर बात की। काजोल ने कहा, अजय एक बहुत ही अनुभवी प्रोड्यूसर हैं। स्क्रिप्ट से लेकर म्यूजिक और वीएफएक्स तक उन्होंने इस फिल्म के हर हिस्से पर बहुत ध्यान दिया है। मुझे लगता है कि वीएफएक्स फिल्म का एक बहुत बड़ा हिस्सा है। अजय भी कहते हैं कि वीएफएक्स की शूटिंग एक अलग खेल है। इसलिए उन्होंने बहुत सारी जानकारी दी है।

'मैंने नहीं सोचा था कभी हॉरर फिल्म करूंगी'

आगामी फिल्म 'मां' को लेकर बात करते हुए काजोल ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक हॉरर फिल्म करूंगी, लेकिन अब हम यहां हैं। मुझे इस फिल्म पर बेहद गर्व है। स्क्रिप्ट काफी अच्छी है। मैं पौराणिक कथाओं की बहुत बड़ी शौकीन हूं। मुझे हमारी भारतीय पौराणिक कथाएं बहुत पसंद हैं। हमारे पास बहुत सारी कहानियां हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि यह मेरी पसंदीदा कहानियों में से एक है। मैं बहुत आभारी हूं कि मैंने यह फिल्म की है। मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छी फिल्म बनाई है। बाकी अब दर्शक बताएंगे। लेकिन मां की कसम, हमने अच्छी फिल्म बनाई है।

बड़े पर्दे पर अपनी वापसी से उत्साहित हैं काजोल

मा के जरिए काजोल तीन साल के अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है। सिनेमाघरों में उनकी आखिरी रिलीज फिल्म सलाम वेंकी थी। अपने बड़े पर्दे पर वापसी को लेकर काजोल ने कहा कि मै बहुत उत्साहित हू। मेरी फिल्म लंबे समय के बाद सिनेमाघरों मे रिलीज हो रही है और मै इसे लेकर बेहद खुश हू। हर अभिनेता को समय के साथ खुद को फिर से तलाशना पड़ता है।

27 जून को रिलीज होगी फिल्म

विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित 'मां' को जियो स्टूडियोज के साथ मिलकर अजय देवगन ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म को अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म 'शैतान' से जोड़कर देखा जा रहा है। 'मां' 27 जून को सिनेमाघरों में आ रही है।

मानुषी छिल्लर की डांस रिहर्सल सेल्फी ने अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा को हवा दी

जैसे-जैसे मानुषी छिल्लर अपनी अगली फ़िल्म मालिक की रिलीज़ की तैयारी कर रही हैं – जो कि राजकुमार राव के साथ एक दमदार गैंगस्टर ड्रामा है। जो 11 जुलाई को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। फैन अब अनुमान लगा रहे हैं कि क्या उनका नवीनतम सोशल मीडिया पोस्ट इस बात का संकेत है कि मिस वर्ल्ड को पहले ही उनके अगले प्रोजेक्ट के लिए साइन कर लिया गया है?

मानुषी ने हाल ही में मुंबई के एक डांस रिहर्सल स्टूडियो से अपनी मिरर सेल्फी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। ऑल-ब्लैक आउटफिट मे फिटेड क्रॉप टॉप, ढीली कार्गो पैंट्स और सफेद स्नीकर्स पहने हुए, वह पूरी तरह प्रोफेशनल लुक में नजर आईं। उन्होंने अपने फॉलोअर्स को एक सरल लेकिन ओपन-एंडेड कैप्शन स्नीक पीक के साथ और भी अधिक टीज़ किया, लेकिन सेटिंग और उनका लुक कुछ बड़ा होने का संकेत देता है। मानुषी किस लिए ट्रेनिंग ले रही हैं? क्या यह किसी नए म्यूजिक वीडियो के लिए है? या फिर मानुषी बस अपने डांसिंग स्किल्स को निखार रही हैं? या फिर यह मानुषी का अपने अगले प्रोजेक्ट के आने का संकेत है? यह तो वही बता सकती है!

शकीरा के साथ अगला प्रोजेक्ट करने वाले हैं दिलजीत दोसांझ?

दुनिया भर मे अपने गाने 'हिप्स डोंट लाइ' के लिए मशहूर हॉलीवुड सिंगर शकीरा के गानों को भारत मे भी पसंद किया जाता है। जल्द ही वह दिलजीत दोसांझ के साथ किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर सकती हैं? या ये दोनों साथ मे परफॉर्म कर सकते हैं। हाल ही मे दिलजीत दोसांझ का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमे वह इस बात को लेकर इशारा करते नजर आए।

शकीरा ने दिया दिलजीत को सजेशन

बुधवार को दिलजीत दोसांझ टोरंटो में बिलबोर्ड समिट में शामिल हुए। इस मंच से उन्होंने शकीरा के साथ काम करने की बात को साझा किया। सोशल मीडिया पर दिलजीत का यह वीडियो भी वायरल है। वायरल वीडियो में होस्ट के सवाल का जवाब देते हुए दिलजीत कहते हैं, 'हिप्स डोंट लाइ, सर। हां शकीरा ने मुझे अपने अगले टूर के लिए इंवाइट किया है। साथ ही सजेशन दिया है कि हम 'हिप्स डोंट लाइ' का इंडियन वर्जन बनाएं। यह एक मुश्किल काम है लेकिन मैं इसके लिए पूरी तरह से तैयार हूं।'

मेट गाला में शकीरा संग दिखे

पिछले दिनों मेट गाला इवेंट में दिलजीत दोसांझ अपने लुक के लिए चर्चा में रहे। इस इवेंट में शकीरा भी शामिल हुईं। दोनों को एक कार में साथ में बैठे देखा गया। यह वीडियो भी उस वक्त सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ।

दिलजीत दोसांझ का करियर फ्रंट

दिलजीत दोसांझ के करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे। इस फिल्म में सनी देओल, अहान शेट्टी, वरुण धवन जैसे कलाकार भी अभिनय कर रहे हैं। वह फिल्म मे निर्मल जीत सिंह सेखों का किरदार निभा रहे हैं, जो इंडियन एयरफोर्स के अधिकारी थे और 1971 के युद्ध में अपने शौर्य के लिए याद किए जाते हैं।

हिट की तलाश में सोनाक्षी सिन्हा क्या 'निकिता रॉय' बदलेगी किस्मत?

सोनाक्षी सिन्हा एक बार फिर 'निकिता रॉय' के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। सोनाक्षी शादी के बाद पहली बार किसी फिल्म में नजर आएंगी। यह सस्पेंस थ्रिलर फिल्म सोनाक्षी सिन्हा के लिए काफी महत्वपूर्ण है। क्योंकि सोनाक्षी सिन्हा को एक बड़ी हिट की जरूरत है। सोनाक्षी के करियर को देखें तो उसमें फ्लॉप की कतार काफी लंबी है। ऐसे मे 'निकिता रॉय' सोनाक्षी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

काकुड़ा

पिछले साल 2024 में सोनाक्षी सिन्हा ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'काकुड़ा' में नजर आई थीं। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में सोनाक्षी के साथ रितेश देशमुख और साकिब सलीम प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। ओटीटी पर रिलीज होने के बाद भी इस फिल्म को ज्यादा पसंद नही किया गया था।

बड़े मियां छोटे मियां

सोनाक्षी अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की एक्शन पैक्ड फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आई थीं। काफी हाइप और अक्षय व टाइगर जैसे दो एक्शन हीरो होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई।

डबल एक्स एल

बॉडी शेमिंग जैसे मुद्दे को उठाती इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में सोनाक्षी के साथ हुमा कुरैशी प्रमुख भूमिका मे थीं। ये फिल्म कब आई और कब चली गई पता भी नही चला।

भुज : द प्राइड ऑफ इंडिया

2021 में अजय देवगन देशभक्ति से भरपूर फिल्म 'भुज : द प्राइड ऑफ इंडिया' लेकर आए थे। फिल्म की कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भुज एयरबेस पर हुए हमले को दिखाती है। अजय देवगन और संजय दत्त जैसे सितारे होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा भी प्रमुख भूमिका में थीं।

दंबग 3

सोनाक्षी सिन्हा ने 2010 मे सलमान खान की फिल्म 'दबंग' से बॉलीवुड मे एंट्री की थी। इसके बाद सोनाक्षी इस फिल्म के बाकी दो पार्ट 'दबंग 2' और 'दबंग 3' मे भी नजर आईं। 2019 मे आई 'दबंग 3' बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नही दिखा पाई थी।

वेब सीरीज मे आजमाई किस्मत

इस दौरान सोनाक्षी सिन्हा ओटीटी पर वेब सीरीज मे भी नजर आईं। पिछले साल वो संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' मे निगेटिव रोल मे नजर आई थीं। इसे क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। तो वहीं 2023 में सोनाक्षी ने मर्डर मिस्ट्री क्राइम-थ्रिलर में एक पुलिसकर्मी के रोल मे दिखी थीं। इस किरदार के लिए सोनाक्षी की काफी तारीफ भी हुई थी।

डंपयार्ड में शूटिंग करके भावुक हुए धनुष

मुंबई में हुए इवेंट में एक्टर धनुष, नागार्जुन अक्किनेनी और रश्मिका मंदाना अपनी आने वाली फिल्म कुबेर के प्रमोशन के लिए एक साथ नजर आए। इस मौके पर फिल्म की कास्ट ने शूटिंग से जुड़े अपने अनुभव और किस्से साझा किए। इस दौरान फिल्म से जुड़े अभिनेता ने साझा किया कि उसके लिए फिल्म कितनी खास है और आखिर क्यों डंपयार्ड में शूटिंग के वक्त उसे अपना बचपन याद आ गया।

शूटिंग के वक्त बचपन की यादें ताजा हो गईं

इस इवेंट के दौरान फिल्म के मुख्य अभिनेता धनुष ने अपने जीवन के सफर को याद किया और बताया कि फिल्म की शूटिंग करते हुए उन्हें अपने बचपन की यादें ताजा हो गईं। धनुष ने बताया कि वो भी एक साधारण परिवार से आते हैं और इस फिल्म की शूटिंग ने उन्हें फिर से अपनी जड़ों से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि जब वे डंपयार्ड में शूटिंग कर रहे थे, तो ऐसा लगा जैसे पुराने दिनों में लौट गए हों।

कई लोगों ने कहा था बहुत मुश्किल होगी शूटिंग

इस दौरान मजाकिया अंदाज मे धनुष ने कहा, हमने 6-7 घंटे डंपयार्ड में शूटिंग की और रश्मिका बिल्कुल ठीक थी। मैंने पूछा, रश्मिका तुम्हें कुछ महसूस नहीं हो रहा? तो रश्मिका बोली, मुझे तो कुछ भी महक नही आ रही। बहुत लोगो ने कहा था कि ये शूटिंग बहुत मुश्किल होगी, हम सब मास्क पहने थे लेकिन सच कहू तो इतना बड़ा चैलेंज नही था, सब ठीक था। धनुष ने आगे कहा कि आज मै जहा हू, उसके लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हू। यह फिल्म मेरे लिए कई वजहो से खास है, क्योंकि इसने मुझे फिर से उस दुनिया से जोड़ दिया, जहा से मै आया हू।

धनुष ने 'कुबेर' के लिए दिल से जताया आभार

धनुष ने आगे कहा कि आमतौर पर हम अपने कम्फर्ट जोन में रहते हैं, लेकिन इस फिल्म ने मुझे फिर से वो पुराना समय दिखाया। मैं भगवान का धन्यवाद करता हू कि आज मैं यहां हूं, लेकिन अपने बचपन की यादों में लौटना मेरे लिए बहुत खास रहा। कुबेर के लिए मैं दिल से आभारी हूं।

आमतौर पर प्रमोशन के लिए नहीं आता, लेकिन...

धनुष ने इस दौरान कहा, मैं आमतौर पर प्रमोशन के लिए नहीं आता, लेकिन कुबेर मेरे लिए बहुत खास है। इस फिल्म की कहानी और इसका अनुभव इतना अलग है कि मै चाहता हू ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देखें और महसूस करें। फिल्म का हर हिस्सा, हर सीन मेरे दिल के करीब है। जब आप किसी फिल्म को दिल से करते हैं, तो उसे लोगों तक पहुंचाना भी जरूरी लगता है।

भिखारी के किरदार के लिए मैंने कोई रिसर्च नहीं की

धनुष ने हंसते हुए कहा, मैंने फिल्म में भिखारी का रोल किया है। लोग सोचते हैं कि मैंने बहुत रिसर्च की होगी, लेकिन सच बताऊं तो मैंने कुछ नहीं किया। मैं बस सेट पर गया और डायरेक्टर शेखर सर के कहे अनुसार काम किया। उन्होंने सबकुछ बहुत आसान बना दिया।

धनुष ने की निर्देशक की तारीफ

धनुष ने निर्देशक शेखर कम्मुला को स्वर्ग से आया व्हाइट एंजल बताया। उन्होंने कहा कि शेखर सर बहुत अच्छे इंसान हैं। उनकी पॉजिटिव एनर्जी और ईमानदारी ने मुझे बहुत प्रभावित किया। सिर्फ 20 मिनट की कहानी सुनकर ही मैंने फिल्म के लिए हां कर दी थी।

मैं सिर्फ डायरेक्टर का कहा फॉलो करता हूं

धनुष ने अपने एक्टिंग के बारे में बताया कि लोग पूछते हैं कि मैं हर बार किरदार मे कैसे ढल जाता हूं। सच कहूं तो मैं ज्यादा मेहनत नहीं करता। मेरे डायरेक्टर मुझे सबकुछ समझा देते हैं, मैं बस उनका कहा फॉलो करता हूं। असली मेहनत फिल्ममेकर्स की होती है।

ये हैं दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां

अगर आप अपने करियर को ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं और शानदार कमाई करना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल में बताए गई कठिन डिग्रियों में से किसी एक को चुन सकते हैं। हालांकि, इन डिग्रियों को हासिल करना आसान नहीं होता, लेकिन मेहनत और लगन से इन्हें पूरा करके आप अपने भविष्य को सुरक्षित और शानदार बना सकते हैं। अगर आप करियर में ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं और अच्छी कमाई का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए सही डिग्री चुनना बेहद जरूरी है। दुनिया में कई डिग्रियां ऐसी हैं, जिन्हें पूरा करना आसान नहीं होता है, लेकिन एक बार हासिल करने के बाद इनका स्कोप और सैलरी पैकेज जबरदस्त मिलता है। कठिनाई के बावजूद, इन डिग्रियों की डिमांड हमेशा बनी रहती है। तो आइए दुनिया की 10 सबसे कठिन डिग्रियों के बारे में जानते हैं, जिन्हें पाकर आप लाखों की कमाई कर सकते हैं।

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी

अगर आप डॉक्टर बनना चाहते है, तो MBBS दुनिया की सबसे कठिन डिग्रियों में से एक मानी जाती है। इसमें लंबे समय तक पढ़ाई, इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग करनी होती है। लेकिन इस फील्ड में करियर बना लिया, तो कमाई की कोई सीमा नहीं होती।

इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स काफी कठिन होता है, खासकर तब जब आप टॉप ब्रांच जैसे कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई कर रहे हो। इसमें थ्योरी, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप का कॉम्बिनेशन होता है, जो इसे और भी चैलेंजिंग बना देता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

CA कोर्स दुनिया के सबसे कठिन कोर्सों में से एक है। इसमें कई स्तर के एग्जाम होते हैं और पास करने की दर भी काफी कम होती है। लेकिन अगर आप इसे पूरा कर लेते हैं, तो बड़े कॉरपोरेट हाउस में लाखों-करोड़ों के पैकेज पर जॉब पा सकते हैं या खुद की फर्म शुरू कर सकते हैं।

एस्ट्रोनॉमी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

अगर आपको अंतरिक्ष और विमानन विज्ञान में रुचि है, तो यह डिग्री आपके लिए है। लेकिन यह बहुत ही कठिन होती है, क्योंकि इसमें गणित, भौतिकी और तकनीकी ज्ञान की गहरी समझ जरूरी होती है। नासा, इसरो जैसी एजेंसियों में काम करने का सपना देखने वालों के लिए यह एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है।

लॉ के बाद जज बनने और वकालत करने के अलावा भी हैं ढेर सारे विकल्प

लॉ में करियर लंबे समय से युवाओं के बीच पॉपुलर रहा है और अब इसमें विकल्पों के बढ़ने आपके लिए मनमाफिक विकल्प चुनना भी आसान हो गया है। दरअसल कानूनी पेचिदगियों और समाज के विस्तार के चलते कानून के जानकार प्रोफेशनल्स की जरूरत हर जगह बढ़ गई है। आज के समय में आम लोगों अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं, वे कानूनी प्रक्रियाओं को समझना चाहते हैं, ऐसे में लॉ में करियर बनाने वालों का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। साथ ही हर दिन किसी नई खोज या तकनीकी विकास के चलते पुराने और प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत होती है। और इस लिहाज से भी कानून के जानकारों की मांग में में इजाफा हुआ है।

लॉ का ये है पाठ्यक्रम

लॉ से सम्बंधित 2 पाठ्यक्रम होते हैं पहला, 10+2 के बाद पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रम और ग्रेजुएशन के बाद तीन वर्षीय लॉ पाठ्यक्रम। पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रमों में भी अब पाँच प्रकार के पाठ्यक्रम हो गए हैं - आर्ट्स के छात्रों के लिए बीए एलएलबी, साइंस के छात्रों के लिए बीएससी एलएलबी, कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉम एलएलबी, कंप्यूटर साइंस के छात्रों के लिए बीसीए एलएलबी और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए बीबीए एलएलबी। उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको क्लैट यानि कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट से गुजरना होगा, जो वर्ष में एक बार होता है। आपकी रैंकिंग के आधार पर आपको कॉलेज अलॉट किए जायेंगे। देश में कई ऐसे सरकारी विश्वविद्यालय हैं, जहाँ केवल लॉ की ही पढ़ाई होती है। ग्रेजुएशन के बाद के लॉ पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय अपना-अपना एंट्रेंस टेस्ट संचालित करते हैं।

इस तरह बनें लायर

वह समय खत्म हो गया, जब आप लॉ की परीक्षा पास कर काला कोट पहन कर सीधे वकालत में सकते हैं। लॉ के बाद आपको बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित आल इंडिया बार एग्जामिनेशन यानि एआईबीई देना होगा, जिसके बाद ही आप वकालत के लिए योग्य घोषित कर दी जाएंगी। इसके बाद आपका रजिस्ट्रेशन बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया में हो जायेगा और तब आप वकील के तौर पर काम करने की योग्यता प्राप्त कर लेंगी।

एकेडमिक्स में जाएं

यदि आपका ध्येय केवल एक वकील की तरह भारत के किसी भी न्यायलय में वकालत को अपना करियर बनाना है, तो इसमें एलएलएम (लॉ में पोस्ट ग्रैजुएट) की कोई भूमिका नहीं है। इसके लिए आपकी एलएलबी की डिग्री ही पर्याप्त है। एलएलएम और पीएचडी मुख्य रूप से वे महिलाएं करती हैं, जो लॉ के क्षेत्र में एकाडेमिक्स में जाना चाहती हैं और आगे चलकर किसी लॉ कॉलेज में एक लेक्चरर के रूप में अपना करियर बनाना चाहती हैं। अगर आप किसी कानून विशेष मे स्पेशलाइजेशन करना चाहती हैं, तो पीजी और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

एनवायरमेंटल लॉयर

अगर आप प्रकृति के संरक्षण के बारे में गंभीरता से सोचती हैं तो एन्वायरमेंटल लॉयर बनने के बारे में सोच सकती हैं। इसके जरिए आप प्राकृतिक सपदा के नष्ट होने से जुड़ी चीजों को बचाने की बात कह सकती हैं। इसके तहत आप पब्लिक इंट्रस्ट लिटिगेशन भी डाल सकती हैं। इसके अलावा एन्वायरमेंटल लॉयर्स की जरूरत एनजीओज में भी होती है, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान पर आवाज उठाते हैं।

साइबर लॉयर

टेक्निकल एडवांसमेंट के दौर में साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं और इन पर काबू पाने के लिए साइबर लॉयर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर फर्जी ई-मेल भेजना, सोशल अकाउंट हैक करना, कंपनियों के साथ फ्रॉड, खातों से फर्जी तरीके से पैसे निकालना, एसएमएस हैकिंग, मोबाइल क्लोनिंग जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए कंप्यूटर और नेटवर्क सिक्योरिटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे देखते हुए आप कंप्यूटर एंड डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनने के बारे में भी सोच सकती हैं।

पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉयर

कई बार लोग अवैध रूप से किसी अन्य व्यक्ति की खोज को अपना नाम दे देते हैं, इससे सुरक्षा देता है पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉ। कानूनी तौर पर अगर कोई थर्ड पार्टी मूल प्रॉडक्ट को बनाना चाहती है, तो उसे इसके लिए लाइसेंस लेने की जरूरत होती है और उस पर रॉयल्टी शुल्क देना पड़ता है। बौद्धिक संपदा यानी Intellectual Property बिजनेस के उभरते हुए क्षेत्रों में से एक है और इसमें यंग प्रोफेशनल्स की अच्छी खासी मांग है।

लेबर लॉयर

कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के अधिकार लेबर लॉ के तहत आते हैं। अक्सर कंपनियों में काम कर रहे इंप्लॉई अपने अधिकार और अन्य विवादों को लेकर अदालत में पहुंच जाते हैं। लेबर लॉ से जुड़े मामलों में इजाफा होने की वजह से इसमें भी आपके लिए आपके लिए अच्छी संभावनाएं हो सकती हैं।

इंटरनेशनल लॉयर

अगर आपकी अंग्रेजी अच्छी है और आपकी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में रुचि है तो आप इंटरनेशनल लॉयर बनने के बारे में भी सोच सकती हैं। इसके तहत विभिन्न राष्ट्रों के राष्ट्रीय हितों से जुड़ी समस्याओं का कानूनी तरीके से हल निकाला जाता है।

कॉरपोरेट लॉयर

देश में कंपनियों के बढ़ते प्रसार के बीच आजकल कॉरपोरेट लॉ का स्कोप भी काफी अच्छा है। इसके तहत कंपनियां ऐसे प्रोफेशनल्स अपने यहां रखती हैं, जो उन्हें अपनी कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सलाह दे सकें। कॉरपोरेट लॉयर्स के तौर पर अच्छा तजुर्बा हासिल होने पर अच्छा पे-पैकेज भी मिलता है।

ये हैं जरूरी गुण

- बेहतर संवाद क्षमता
- अच्छी मेमोरी
- हाजिरजवाब
- तार्किक और चीजों का विश्लेषण करने में निपुण
- धैर्यवान होने का गुण
- समस्याओं के अनूठे हल निकालने में सक्षम
- कानूनी पहलुओं की अच्छी जानकारी
- समर्पण और कड़ी मेहनत

यदि आप अपनी बातों को प्रभावी ढंग से सामने वाले के सामने रख सकते हैं और जिसे भारत के कानून के बारे में नई-नई बात जानने की उत्सुकता बनी रहती है, आपके मन में अक्सर किसी व्यवस्था को लेकर उदगार पैदा होते हैं और आप समझते हैं कि यदि आपके हाथ में कानून होता तो इसे ठीक करने की कोशिश करते , तो फिर लॉ का क्षेत्र आपके लिए ही है। अगर आप लॉ के बाद इसमें करियर बनाने की सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि इसमें काफी अच्छी संभावनाएं हैं।

बीसीए के बाद अच्छी जॉब के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शंस

बीसीए, एक पॉपुलर अंडरग्रेजुएट कोर्स है, जिसे कंप्यूटर साइंस और आईटी फील्ड में करियर बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, इस कोर्स को करेने के बाद, आगे क्या करें सोच कर आप भी परेशान चल रहे हैं, तो चलिए हम आपको यहां बीसीए के बाद के कुछ बेहतरीन करियर ऑप्शंस के बारे में बताते हैं।

अगर आपने अंडरग्रेजुएट कोर्स बीसीए कर लिया है और अब समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या करें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। भले ही, अक्सर स्टूडेंट्स बीसीए के बाद क्या करें? इस सवाल को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं, पर आपको इतना सोचने की जरूरत अब तो बिल्कुल भी नहीं है, क्योंकि बीसीए के बाद आपके पास करियर के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं, जिनमें उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियां और प्राइवेट सेक्टर में हाई-सैलरी जॉब्स शामिल हैं। सही करियर ऑप्शन का चुनाव आप अपने स्किल्स, इंटरेस्ट और करियर गोल्स के आधार पर कर सकते हैं।

इसी क्रम में आइए हम आपकी दुविधा को दूर करते हैं। दरअसल, इस आर्टिकल में हम आपको बीसीए के बाद मिलने वाले टॉप करियर ऑप्शंस के बारे में विस्तार से बताएंगे, जिससे आप अपने फ्यूचर के लिए सही फैसला ले सकें और आगे जाकर आप एक अच्छी जॉब व हाई सैलरी पा सकें। बीसीए के बाद बेहतरीन करियर ऑप्शंस -

MCA (Master of Computer Applications)

अगर आप अपनी तकनीकी स्किल्स को और मजबूत करना चाहते हैं, तो MCA करना एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह कोर्स आपको सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे एडवांस्ड टॉपिक्स सिखाता है। रही बात इस कोर्स के बाद जॉब ऑप्शंस की तो आप इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वेब डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, आईटी कंसल्टेंट आदि बन सकते हैं। इसमें आपको लगभग रू 5-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज भी मिल सकता है।

MBA (Master of Business Administration)

अगर आप मैनेजमेंट और लीडरशिप में करियर बनाना चाहते हैं, तो स्क आपके लिए सही रहेगा। खासकर IT Management, Business Analytics और Digital Marketing में MBA करने से आपको कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छी जॉब मिल सकती है। इस जॉब में आपको शुरुआत में कम से कम रू 6-15 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में बनाएं करियर

बीसीए के बाद डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में करियर बनाना आज के समय में बहुत अच्छा विकल्प है। इस फील्ड में जॉब्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और सैलरी भी काफी अच्छी है। बीसीए करने के बाद, आप डेटा साइंटिस्ट, एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग डेवलपर आदि बन सकते हैं। बात अगर सैलरी पैकेज की करें तो आपको रू 8-20 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डिजिटल मार्केटिंग और SEO में हाथ आजमाएं

अगर आपको क्रिएटिविटी और मार्केटिंग में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतरीन करियर ऑप्शन हो सकता है, जो आप बीसीए करने के बाद आराम से कर सकते हैं। कंपनियां अपने बिजनेस को ऑनलाइन प्रमोट करने के लिए डिजिटल मार्केटर्स को हायर कर रही हैं। ऐसे में, आपको डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, SEO एक्सपर्ट, कंटेंट मार्केटर की पोस्ट मिल सकती है। साथ ही, रू 4-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

पत्नी और 7 वर्षीय बेटी की कुल्हाड़ी से हत्या करने वाला पति गया जेल

सरगुजा। बुधवार को मैनपाट थाना क्षेत्र के माझापारा-नर्मदापुर गांव में 37 वर्षीय सुशील कुमार मांझी को अपनी पत्नी और सात वर्षीय बेटी की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने घटना के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश भी की। पुलिस ने बताया कि आरोपी सुशील कुमार मांझी ने विवाद के बाद गांव में अपने घर के बाहर अपनी पत्नी संझाई (32) की पिटाई शुरू कर दी। आरोपी को संदेह था कि पत्नी का किसी और से प्रेम संबंध है। जब पड़ोस की एक लड़की ने अपने परिवार को हमले के बारे में बताया, तब मांझी ने अपनी पत्नी को अपने घर के अंदर खींच लिया और दरवाजा बंद कर लाठी से पीटना शुरू कर दिया। पिटाई के बाद सुशील ने अपनी पत्नी पर कथित रूप से कुल्हाड़ी से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। उसकी बेटी प्रियंका (सात) ने अपनी मां को बचाने की कोशिश की तो सुशील ने अपनी बेटी को भी कुल्हाड़ी से हमला कर मार डाला।

न्यूज गैलरी

भाजपा ने प्रेस वार्ता का आयोजन कर 11 साल की उपलब्धियां की जानकारी दी

कोरिया बैकुंठपुर। वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैंकरा ने बताया कि मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद ३७० को हटाया। तीन तलाक पर रोक लगाई। नागरिकता संशोधन कानून लागू किया। महिला आरक्षण विधेयक को पारित किया। सरकार का लक्ष्य है कि ३१ मार्च २०२६ तक देश से नक्सलवाद समाप्त हो जाए।
कोरोना काल में सरकार ने ८० करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज वितरित किया। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत गरीबों और ७० वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को ५ लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज दिया जा रहा है। पीएम आवास योजना से ४ करोड़ पक्के मकान बनाए गए। उज्ज्वला योजना से १० करोड़ परिवारों को गैस कनेक्शन मिला।
रामसेवक पैकरा ने कहा करोड़ों लोगों को मिली सुविधा जनधन योजना से करोड़ों लोगों को बैंकिंग सुविधा मिली। २०२५ के बजट में १२ लाख रुपये तक की आय पर कर छूट प्रदान की गई। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है।
उन्होंने ने कहा कि भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। 'हर घर नल योजना' के तहत केंद्र सरकार तेजी से कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार गरीब पात्रों को महीने में दो बार निःशुल्क खाद्यान्न वितरित कर रही है। भाजपा की प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल, नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के अध्यक्ष नविता शिवहरे, जिला पंचायत कोरिया की उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, जिला उपाध्यक्ष शैलेश तिवारी, सुभाष साहू, योगेंद्र मिश्रा, पंकज गुप्ता, तीरथ राजवाड़े, सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किशोरी ने की खुदकुशी

बिश्रामपुर - लटोरी पुलिस चौकी के ग्राम जुड़वानी में बीती रात एक तेरह वर्षीय किशोरी पार्वती सिंह पिता कमलेश सिंह ने पिता की डांट से क्षुब्ध हो घर के कमरे में फांसी लगा खुदकुशी कर ली, घटना गुरुवार की रात की बताई गई है। रिपोर्ट पर लटोरी पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत मामले में मर्ग कायम किया है।

दो दिवसीय अखिल भारतीय कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन आज से

बिश्रामपुर - आज १४ जून शनिवार से गौरीशंकर मंदिर दशहरा ग्राउंड में दो दिवसीय अखिल भारतीय कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन आज से शुरू हो रहा है ।आयोजन समिति के राज किशोर चौधरी ने बताया कि आयोजित दो दिवसीय कुश्ती दंगल प्रतियोगिता में देश के नामी गिरामी पहलवान शिरकत कर अपनी खेल प्रतिभा का जौहर दिखा कुश्ती दंगल प्रेमियों का मनोरंजन करेंगे ।इस कुश्ती प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में बतौर अतिथि प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, पुलिस अधीक्षक सूरजपुर प्रशांत सिंह ठाकुर भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी राज्य खाद्य आयोग के सदस्य सदस्य सुभाष गोयल नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निर्मला यादव पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश यादव उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान सहित अन्य अतिथि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन सायं पांच बजे होगा।

जीवनधारा योजना से मिलेगी निःशुल्क डायलिसिस सुविधा

रायपुर। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत निःशुल्क डायलिसिस सेवा दी जा रही है। जिसका नाम जीवनधारा है। इस योजना का उद्देश्य सभी जिलों में निःशुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराना है। इसकी सेवा एस्काग संजीवनी प्राईवेट लिमिटेड द्वारा दिया जा जाएगा। यह सेवा निःशुल्क है जिसके लिए मात्र आधारकार्ड की आवश्यकता होगी। इस योजना के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश जैन हैं। इस योजना के तहत जिला अस्पताल रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, अंबिकापुर, सूरजपुर, कोरिया, महासमुंद, दुर्ग, कांकेर, राजनांदगांव, जगदलपुर, जांजगीर-चांपा, गरियाबंद, रायगढ़, धमतरी, देवभोग, बालोद, कबीरधाम, मुंगेली, बलौदाबाजार, बीजापुर, बलरामपुर, कोण्डागांव, नारायणपुर, बेमेतरा, सुकमा, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, सारंगढ़, खैरागढ़, मानपुर सीएससी सहित सभी जिलों के अस्पतालों में यह सेवा संचालित की जा रही है। 25 अप्रैल 2022 से अभी तक जिला अस्पताल में डायलिसिस मशीन और डायलिसिस प्रक्रिया शुरू हैं, जिससे अभी तक 19 हजार 692 सेशन हो चुकें हैं। अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नं 75068-18793 और टोल फ्री नंबर 18001022294 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

विज्ञापन

बैकुंठपुर स्थित फर्म "श्री नरेंद्र कमर्शियल"
डिस्ट्रीब्यूटर - M.D.H. मसाले को सेल्स Representative (S.R.) की अतिशीघ्र आवश्यकता है,
* S.R. की नियुक्ति M.D.H. मसाले के कंपनी पे-रोल पर रहेगी।
* सैलरी - योग्यतानुसार
* बायो डाटा के साथ अतिशीघ्र सम्पर्क करें,
* स्थानीय युवकों को वरीयता

पता -"श्री नरेंद्र कमर्शियल" मिश्रा काम्प्लेक्स, भांड़ी, मेन रोड, बैकुंठपुर जिला कोरिया (छत्तीसगढ़)
संपर्क नंबर - 9340945160, 8889909241

भाजपा सरकार ने ईडी को बनाया राजनीतिक हथियार

जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में भाजपा सरकार एवं प्रवर्तन निदेशालय ईडी का पुतला दहन किया

कोरिया बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ भर में कांग्रेस ने भाजपा सरकार द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का किया जा रहे राजनीतिक दुरुपयोग का जोरदार विरोध किया। इस आदेश पर जिला मुख्यालय बैकुंठपुर सहित राज्य भर में एक साथ भाजपा सरकार और श्वष्ठ का पुतला दहन किया गया।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने ईडी को राजनीतिक हथियार बना दिया है। इसका ताजा उदाहरण सुकमा स्थित राजीव भवन पर किया गया हमला है, जहां श्वष्ठ ने इमारत को अटैच किया — यह प्रदेश की राजनीति में अभूतपूर्व घटना है, इससे पहले कभी राजनीतिक प्रतिशोध इस स्तर तक नहीं पहुंचा था।
नेताओं ने साफ किया कि यह कार्रवाई लोकतंत्र पर हमला है, इसका लक्ष्य मुख्य रूप से विपक्ष की आवाज दबाकर शासन पर एकाधिपत्य कायम करना है।
आज का विरोध भाजपा सरकार की मानसिकता पर किया गया जन आक्रोश था, जो ईडी जैसे संस्थाओं का राजनीतिक शस्त्र की तरह उपयोग करना चाहती है।
पुतला दहन के दौरान पर मौजूद : जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पूर्व विधायक अंबिका सिंह देव, वरिष्ठ कांग्रेसी मुख्तार अहमद, महामंत्री बृजवासी तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह, भूपेंद्र यादव, चंद्र प्रकाश राजवाड़े, एजाज गुड्डू, रमेश देवांगन, कृष्ण कुमार राजवाड़े, यूसुफ इराकी, रियाजउद्दीन, रवि राजवाड़े, अनिल सिंह, रामाधार टोप्पो, दीपक गुप्ता, संजोती मरकाम, ललिता सिंह, संतोष गोयन, विजय चक्रधारी, रामसाय सोरी, मोनी मांझी, सौरभ गुप्ता, धीरज शिवहरे, एस एन मोदी, जागृत कुमार, राजेश कुर्रे, असद, साहिल, आकाश गुप्ता, आर्यन एवं अनेकों कांग्रेसजन मौजूद रहे.

कांग्रेस ने फूंका ईडी का पुतला

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। ईडी द्वारा जिला मुख्यालय सुकमा स्थित राजीव भवन को सील किए जाने के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने शनिवार की शाम जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ स्थित भगत सिंह तिराहा में ईडी का पुतला दहन किया। कार्यकर्ता रैली की शक्ल में भगत सिंह तिराहा पहुंचे और ईडी का पुतला जलाकर विरोध जताया।
मौके पर उपस्थित कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि सुकमा जिले में कांग्रेस के राजीव भवन को सील करना ईडी की राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित कार्रवाई है, जो भाजपा के इशारे पर की जा रही है। जिलाध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि इस तरह की कार्रवाइयां नहीं रुकीं, तो पार्टी सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी डरता है ईडी को आगे करता है, भाजपा तेरी तानाशाही नहीं चलेगी जैसे नारे लगाए। पुतला दहन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीआइबी, सीबीसी और दूरदर्शन केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में योग पूर्वाभ्यास का आयोजन

रायपुर। ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वैश्विक स्तर पर योग दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में दूरदर्शन केन्द्र परिसर, शंकर नगर, रायपुर के ट्रांसमिशन हॉल में एक योग पूर्वाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में दूरदर्शन केन्द्र, पत्र सूचना कार्यालय और केन्द्रीय संचार ब्यूरो के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर भारतीय योग संस्थान, रायपुर के योगाचार्य श्री मुकेश सोनी ने योग संबंधी विस्तृत जानकारी दी।
योगाचार्य ने बताया कि योग पूर्वाभ्यास में निरंतरता अत्यंत आवश्यक है क्योंकि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक और आत्मिक संतुलन का माध्यम भी है। नियमित योगाभ्यास से शरीर लचीला, स्वस्थ और ऊजार्वान बनता है, वहीं मन शांत, एकाग्र और स्थिर रहता है। यदि अभ्यास में रुकावट आती है, तो न केवल लाभों में कमी आती है, बल्कि पहले से प्राप्त संतुलन भी प्रभावित हो सकता है। उन?होंने बताया कि निरंतरता से शरीर धीरे-धीरे योगासनों के अनुरूप ढलता है और सांस-प्रश्वास की तकनीकों में दक्षता आती है। योग एक प्रक्रिया है, जिसमें समय के साथ सुधार होता है। यदि बीच में अभ्यास छोड़ा जाए, तो मांसपेशियाँ पुनः जकड़ सकती हैं और मानसिक लाभों में कमी आ सकती है। इसके अतिरिक्त, नियमित योग मन में अनुशासन, आत्मनियंत्रण और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करता है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और जीवनशैली विकारों जैसे तनाव, उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि से बचाव करता है। श्री सोनी ने बताया अतः योग में निरंतरता न केवल योग कौशल में प्रगति लाती है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी समृद्ध करती है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। योग अभ्यास में निरंतरता का महत्व केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। योग की अवधारणा ही "युज" धातु से बनी है, जिसका अर्थ है जोड ?ा, अर्थात आत्मा का परमात्मा से, शरीर का मन से और व्यक्ति का ब्रह्मांडीय चेतना से जुड़ाव। यह जुड़ाव तभी संभव है जब योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाकर निरंतर अभ्यास किया जाए। योग में निरंतरता के लाभ बताते हुए श्री सोनी बताया कि दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभः नियमित अभ्यास हृदय, फेफड़े, पाचन और स्नायु प्रणाली को मजबूत बनाता है।

युक्तियुक्तकरण में लापरवाहीः विकास खण्ड शिक्षाधिकारी निलंबित

रायपुर। राज्य शासन के निदेर्शानुसार शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के दौरान गंभीर अनियमितताओं और गलत जानकारी देने के आरोप में विकास खण्ड शिक्षाधिकारी, रामानुजनगर (जिला सूरजपुर) श्री पंडित भारद्वाज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, श्री भारद्वाज ने युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया में भ्रामक और तथ्यहीन जानकारी प्रस्तुत की, जिससे कई स्तरों पर गंभीर त्रुटियां उत्पन्न हुईं।

ग्रामीणों ने लिया जल संरक्षण करने का संकल्प

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के मनेंद्रगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पाराडोल में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित ग्राम जल जागरूकता अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण ग्राम सभा का आयोजन किया गया। सभा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल, जल संरक्षण और जल स्रोतों की सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा करना रहा। सभा में उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामवासियों को जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में अब तक की गई प्रगति की जानकारी दी, साथ ही हर घर नल से जल योजना की स्थिति की समीक्षा की गई। जल गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया, सुरक्षित पेयजल के लाभ और उसे अपनाने की विधियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम के दौरान वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों के संरक्षण और जल अपव्यय को रोकने के विषय पर विशेष बल दिया गया। ग्रामीणों को जल संवाद तंत्र की जानकारी दी गई जिससे वे भविष्य में जल संबंधी शिकायतों का समाधान पा सकें। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, जल बहनी और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक इस सभा में भाग लिया। सभी उपस्थित जनों ने सामूहिक रूप से जल संरक्षण का संकल्प लिया और यह दृढ़ निश्चय व्यक्त किया कि वे जल का विवेकपूर्ण उपयोग करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

रक्तदान दिवस पर महिलाओं सहित 16 लोगों ने किया रक्तदान

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। 14 जून को केंद्रीय चिकित्सालय मनेंद्रगढ़ स्थित ब्लड सेंटर में केंद्रीय चिकित्सालय मनेंद्रगढ़ एवं श्रृद्धा महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधान में विश्व रक्त दाता दिवस का सफल आयोजन हुआ।
रक्त केंद्र प्रभारी डॉ लवलेश गुप्ता ने उपस्थित सभी लोगों को नियमित रूप से रक्त दान करने के लिए शपथ दिलाई एवं इस दिन के महत्व को तथा नियमित रक्तदान करने से होने वाले फायदों को समझाया। उन्होंने बताया कि नियमित रक्त दान करने से दिल का दौरा, ब्रेन स्ट्रोक, कैंसर आदि बीमारियां होने की संभावना कम होती हैं। हॉस्पिटल ऑडिट के लिए आये टीम से डॉ. देवाशीष नियोगी ने बताया कि सड़क दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति को यदि समय पर रक्त मिल जाए तो उसकी जान बचाई जा सकती है। उन्होंने सबसे नियमित रक्तदान करने की अपील की। इसके पश्चात श्रद्धा महिला मंडल हसदेव एरिया की अध्यक्षा विनीता शर्मा एवं केंद्रीय चिकित्सालय के सीएमओ डॉ. संजय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर रक्त दान शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में कुल 16 लोगों ने रक्तदान किया जिसमें श्रद्धा महिला मंडल से पूनम रानी, पुष्पा सिन्हा, सरिता सिंह, केंद्रीय चिकित्सालय से डॉ. गौरव गुप्ता, डॉ. प्रियता, सनीला कुजूर, रेखा अंबादास लथाड़, प्रियांशु, रवि जायसवाल, विमल, अविनाश, संदीप, हर्षप्रीत, कमलेश, जबीर एवं विपुल केशरवानी ने रक्त दान किया। सीएमओ डॉ. संजय कुमार ने सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रश्मि गुप्ता, कृष्णा राम, अनीता एवं नरेंद्र की भूमिका सराहनीय रही।

Sports Live

हीर एक्सप्रेस में दिविता जुनेजा निभाएंगी हीर का दमदार किरदार, टीजर हुआ जारी

मनोरंजन की दुनिया में एक और नई कहानी दस्तक देने जा रही है हीर एक्सप्रेस। यह सीरीज सिर्फ एक साधारण प्रेम-कहानी नहीं, बल्कि रिश्तों की गहराई, पारिवारिक मूल्यों और आत्म-खोज की एक दिल को छू लेने वाली यात्रा है। शो की मुख्य भूमिका में नज? आएंगी प्रतिभाशाली अभिनेत्री दिविता जुनेजा, जो 'हीरइ के किरदार में दर्शकों के दिलों पर छा जाने को तैयार हैं।

हीर एक्सप्रेस का कथानक एक ऐसी लड़की की कहानी है, जो अपने परिवार के लिए त्याग और संघर्ष करते हुए अपनी पहचान बनाने की जद्दोजहद करती है। इसमें न केवल उसकी आत्म-यात्रा दिखाई गई है, बल्कि उसके जीवन में आने वाले प्यार और उससे जुड़ी उलझनों को भी बड़े ही संवेदनशील तरीके से बुना गया है।

अब चोकर्स नहीं रहे! दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप खिताब जीता

स्पोर्ट्स डेस्क। दक्षिण अफ्रीका ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। यह दक्षिण अफ्रीका की पहली आईसीसी ट्रॉफी है, जिससे उनका २७ साल का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हो गया।

मार्कराम का शतक बना जीत की नींव

२८२ रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऐडन मार्कराम ने शानदार शतक लगाकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया।फाइल वेरेन ने मिशेल स्टार्क की गेंद पर चौका लगाकर मैच समाप्त कर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बाद दक्षिण अफ्रीका तीसरी टीम है, जिसने यह खिताब अपने नाम किया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल: 27 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने के सपने से 69 रन दूर द.अफ्रीका

0-मार्कराम और बावुमा ने पलटी बाजी

लंदन ,14 जून। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम का 27 साल पुराना आईसीसी ट्रॉफी जीतने का सपना अब पूरा होने को है. लॉर्ड्स में खेले जा रहे आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के चौथे दिन वह अपने ऊपर से चोकर्स का टैग हटाने को बेताब होगा.

शुक्रवार को अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी फाइनल के तीसरे दिन का खेल 56 ओवर में (213/2) पर समाप्त किया. अब वह ऐतिहासिक जीत से सिर्फ 69 रन दूर है. एडेन मार्कराम शानदार 102 रन बनाकर और कप्तान टेम्बा बावुमा 65 रन बनाकर मैदान पर टिके हुए हैं.

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी 207 रन पर समाप्त होने और दक्षिण अफ्रीका को 282 रन के लक्ष्य का पीछा करने के लिए मजबूर करने के बाद अफ्रीकी टीम ने 2 विकेट जल्दी खो दिए. लेकिन, दाएं हाथ के स्टार बल्लेबाज मार्कराम ने बल्लेबाजी के लिए सबसे अच्छी परिस्थितियों में दिन के अंत में 156 गेंदों का सामना करते हुए अपना 8वां टेस्ट शतक जड़कर कंगारुओं के पसीने छुड़े दिए.

मार्कराम ने कप्तान टेम्बा बावुमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 143 रनों की अटूट साझेदारी भी की, जिन्होंने बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगने और लंगड़ाते हुए रन दौड़ने के बावजूद 121 गेंदों पर नाबाद 65 रन बनाए. मार्कराम और बावुमा ने रन बनाने में संयम, सटीकता और अधिकार दिखाते हुए एक-दूसरे का साथ दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि दक्षिण अफ्रीका शनिवार को चौथे दिन कुछ खास करने की कगार पर है.

अगर ऑस्ट्रेलिया को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब बरकरार रखना है, तो उसे फाइनल के चौथे दिन कुछ असाधारण करने की जरूरत होगी. अंतिम सेशन की शुरूआत मार्कराम ने 69 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा करने के साथ की और जल्द ही बावुमा के साथ अपनी साझेदारी का अर्धशतक पूरा किया.

मार्कराम के बल्ले से बाउंड्री निकल रही थी और बावुमा ने भी कुछ ड्राइव लगाए, इसका मतलब था कि दक्षिण अफ्रीका को कोई रोक नहीं सकता था, क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ने 83 गेंदों में अपना 29वां टेस्ट अर्धशतक पूरा किया.

इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी दर्शकों द्वारा मार्कराम के नाम की हूटिंग किए जाने के साथ, उन्होंने हेजलवुड की गेंद पर मिड-विकेट के ऊपर से फ्लिक करके अपना शतक पूरा किया, और दर्शकों की ओर अपना बल्ला हवा में लहराया. इस दौरान उनकी पत्नी निकोल और दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स भी स्टैंड में मौजूद थे.

डब्ल्यूटीसी फाइनल में एडेन मार्कराम ने रचा इतिहास

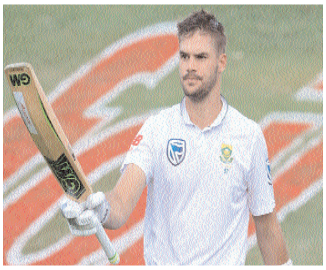

0-डॉन ब्रैडमैन जैसे महान खिलाड़ियों की लिस्ट में हुए शामिल

लंदन,14 जून। दाएं हाथ के स्टार बल्लेबाज डब्ल्यूटीसी फाइनल: 27 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने के सपने से 69 रन दूर दक्षिण अफ्रीका, मार्कराम और बावुमा ने पलटी बाजी ने नाबाद शतक जड़कर अपनी टीम दक्षिण अफ्रीका को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल 2025 जीतने के बेहद पहुंचा दिया है. आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के खिलाफ मार्कराम ने एक छोर संभाल रखा है और अपनी टीम के लिए खिताबी मुकाबले में सबसे खास प्रदर्शन किया है.

डब्ल्यूटीसी फाइनल की पहली पारी में 138 रनों पर ढेर होने के बाद, अफ्रीका के तेज गेंदबाज ने जबदरस्त वापसी की और तीसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया को 207 रनों पर समेट दिया. इसके बाद 282 रनों का पीछा करना आसान नहीं माना जा रहा था, लेकिन मार्कराम ने टेम्बा बावुमा के साथ मिलकर इसे आसान बना दिया क्योंकि अब दक्षिण अफ्रीका को 27 सालों में अपना पहला आईसीसी खिताब जीतने के लिए सिर्फ 69 रनों की जरुरत है.

द अल्टीमेट टेस्ट के तीसरे दिन रयान रिकेल्टन और वियान मुल्डर के जल्दी आउट होने के बाद, मार्कराम और बावुमा ने जिम्मेदारी संभाली और दिन के अंत तक 143 रनों की साझेदारी की. मार्कराम ने अपने टेस्ट करियर का 8वां शतक पूरा किया. तीसरे दिन स्टंप्स तक वह 102 रनों पर नाबाद रहे. इस शतक के साथ ही मार्कराम ने इतिहास रच दिया क्योंकि अब वह उन चुनिंदा क्रिकेटरों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने लॉर्ड्स में चौथी पारी में शतक बनाया है.

मार्कराम लॉर्ड्स में चौथी पारी में शतक बनाने वाले छठे क्रिकेटर बन गए हैं. इस लिस्ट में डॉन ब्रैडमैन, गॉर्डन ग्रीनिज और माइकल क्लार्क जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं. भारत से, अजीत अगरकर इस लिस्ट का हिस्सा हैं.

छोटी खबरें

अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद एयर इंडिया पर फूटा डेविड वार्नर का गुस्सा

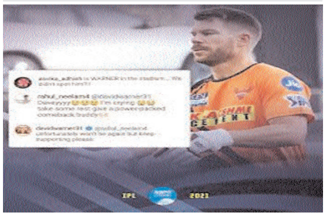

नई दिल्ली,14 जून। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेविड वार्नर ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. वॉर्नर ने इस दुखद हवाई दुर्घटना के बाद एयर इंडिया की आलोचना भी की है. उन्होंने यह भी कहा है कि वह भविष्य में कभी भी उनके साथ उड़ान नहीं भरेंगे.

दरअसल, एयर इंडिया की एआई 171 फ्लाइट अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट से लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए रवाना हुई. एयर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इस दुर्घटना में लगभग 274 लोगों की मौत हो गई, जिसमें 241 लोग उड़ान के दौरान और 33 लोग जहां प्लेन की क्रैश लैंडिंग हुई वहां मौजूद थे.

विमान ने लगभग 625 फीट की ऊंचाई पर संतुलन खो दिया और उड़ान के कुछ ही मिनटों के भीतर अहमदाबाद के मेघानीनगर इलाके में बी.जे. मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. विमान दुर्घटना में केवल एक व्यक्ति जीवित बचा था. 40 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक विश्वाश कुमार रमेश जिसने अपनी 11ए सीट से आपातकालीन एग्जिट लिया था. मामले की जांच चल रही है.

वार्नर ने सोशल मीडिया यूजर विवेक के एक वीडियो पर टिप्पणी साझा की जो कथित तौर पर एयर इंडिया के पूर्व क्रू मेंबर थे और जिन्होंने विमान में कुछ समस्याओं की ओर इशारा किया था. मूल पोस्ट में लिखा था,'अरे! मैं एयर इंडिया का पूर्व क्रू हूं और यह एक ऐसा विमान था जिसे मैं अक्सर उड़ाता था. इस विमान में कई सालों से समस्याएं हैं. क्रू, पायलट, इंजीनियर, हर कोई हमेशा लॉग बुक में इसके बारे में बताता रहा है लेकिन कंपनी के पास अपने सबसे कीमती गैटविक सेक्टर के लिए एक भी ड्रीमलाइनर नहीं था. यही कारण है कि हमें हमेशा इस विमान को उड़ाने के लिए बनाया गया था'.

इस पोस्ट को टैग करते हुए, वार्नर ने कहा कि वह फिर कभी एयर इंडिया के साथ उड़ान नहीं भरेंगे. वार्नर ने 2009 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया. बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 110 मैचों में 142.47 की स्ट्राइक रेट के साथ 3277 रन बनाए हैं. 38 वर्षीय वॉर्नर ने 2011 में ब्लैककैप्स के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया. उन्होंने 112 मैचों और 205 पारियों में 44.59 की औसत से 8786 रन बनाए हैं. दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 161 वनडे मैचों में 97.26 की स्ट्राइक रेट के साथ 6932 रन बनाए हैं.

फिल्म द बंगाल फाइल्स का टीजर जारी, अनुपम खेर समेत दिखीं इन कलाकारों की झलक

विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में अपनी फिल्म द दिल्ली फाइल्स का नाम बदलकर इसे द बंगाल फाइल्स: राइट टू लाइफ किया था. फिल्म द बंगाल फाइल्स का खौफनाक और दिल दहला देने वाला टीजर रिलीज हो गया है. टीजर देखने में बहुत भयंकर और डरावना है. मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, दर्शन कुमार, सिमरत कौर और पल्लवी जोशी स्टारर फिल्म द बंगाल फाइल्स आगामी 5 सितंबर को रिलीज होगी.1.26 मिनट के टीजर में स्टारकास्ट के खौफनाक, चीखते और मदद मांगते चेहरे दिखने के साथ-साथ उनके कैरेक्टर के नाम भी बताए जा रहे हैं. दो बार नेशनल फिल्म अवार्ड जीत चुके विवेक अग्निहोत्री ने एक-एक सीन को रोंगटे खड़े कर देने वाला बनाया है. टीजर में डायलॉग बेहद दमदार है. टीजर की शुरूआत इस डायलॉग से होती है,

---------------------------- व्यापार/फिल्म ----------------------------

सबसे बड़ी सेल,,, लाइफस्टाइल स्टोर्स पर टॉप फैशन ब्रांड्स के लेटेस्ट स्टाइल पर 50 प्रतिशत तक की छूट पाएँ

रायपुर! लाइफस्टाइल, जो भारत के प्रमुख फैशन डेस्टिनेशन्स में से एक है, अपनी एंड ऑफ सीजन सेल शुरू कर रहा है, जिसका लोग बहुत बेसब्री से इंतजार करते हैं, जिसमें खरीदारों को लेटेस्ट और मॉर्डन फैशन प्रोडक्ट की एक लंबी-चौड़ी कैटेगिरी पर ५० प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। इसके अलावा, एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड धारकों के लिए एक खास ऑफर है, जिसमें उन्हें तुरंत १० प्रतिशत की छूट मिलेगी। नियम और शर्तें लागू।

सीजन को और रोमांचक बनाते हुए, लाइफस्टाइल ने इस कैंपेन के लिए खासतौर से तमन्ना भाटिया के साथ साझेदारी की है। अपने नेचुरल चार्म और अखिल भारतीय अपील के लिए जानी जाने वाली तमन्ना ने इस नए कैंपेन में ग्लैमर और भरोसे का अनोखा मेल पेश किया है।

प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड्स के लेटेस्ट ट्रेंड और फैशन विकल्पों के बहुत बडे सिलेक्शन के साथ, लाइफस्टाइल सेल फैशन के प्रति जागरूक रहने वाले खरीदारों को उचित कीमत पर अपने वॉडरोब को पूरी तरह से नई-नई चीजों से अपग्रेड करने की पहुँच देता है। इस सीजन का कलेक्शन, नए व क्लासिक पीस वाले गर्मियों के तैयार डिजाइन का मेल है, जो हर खरीदार के लिए कुछ न कुछ लाया है, चाहे वह प्रीमियम स्टाइल की तलाश में हो या रोजमर्रा के फैशन की। इस सेल को और भी ज्यादा प्रासंगिक बनाने वाली बात यह है कि लाइफस्टाइल प्रीमियम और हाई-फैशन प्रोडक्ट्स को ज्यादा सुलभ बनाकर फैशन उघोग के दायरे को बदल रहा है और एक ऐसा स्थान बना रहा है जहाँ कीमत और स्टाइल बहुत हद तक एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

आरबीआई की बड़ी कार्रवाई: 6 बैंकों के लाइसेंस किए कैंसिल, 4 ने खुद किया सरेंडर...नहीं कर पाएंगे लेनदेन

नई दिल्ली,14 जून। भारतीय रिजर्व बैंक न सिर्फ देशभर के सभी बैंकों को नियंत्रित करता है बल्कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को भी नियंत्रित करता है. जब भी कोई कंपनी नियमों का सही तरीके से पालन नहीं करती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई (आरबीआई की कार्रवाई) की जाती है. 12 जून को आरबीआई की एक और कार्रवाई सामने आई है. पश्चिम बंगाल और ओडिशा में स्थित 6 एनबीएफसी का सर्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन यानी लाइसेंस रद्द कर दिया गया है. केंद्र सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी है. आरबीआई की इस कार्रवाई के बाद कंपनियों को गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान के तौर पर कारोबार करने की अनुमति नहीं होगी. यह कदम आरबीआई एक्ट 1934 की धारा 45आईए (6) के तहत उठाया गया है. ओडिशा के भुवनेश्वर में स्थित अधिकार माइक्रोफाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड का सीईओआर रद्द करने का आदेश 22 मई को जारी किया गया था, कंपनी ने 22 अक्टूबर 2013 को सर्टिफिकेट मुहैया कराया था.

भारतीय रिजर्व बैंक ने 16 मई 2025 को कोलकाता की पांच कंपनी एनबीएफसी का सीओआर रद्द करने का आदेश जारी किया है.

इजराइल-ईरान संघर्ष का भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा असर, आम आदमी को झेलनी पड़ेगी दिक्कत!

नई दिल्ली,14 जून। ईरान और इजरायल के बीच तनाव शनिवार को और बढ़ गया, जब एक-दूसरे के खिलाफ कई हवाई हमले किए गए. यह हमला तब हुआ जब इजरायल ने अपने पुराने दुश्मन को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने के लिए अब तक का सबसे बड़ा हमला किया. इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ते तनाव ने एक व्यापक सैन्य संघर्ष की आशंका को जन्म दिया है. इससे अस्थिर पश्चिम एशिया को और भी गहरे संकट में धकेलने का खतरा है, जिसका बाकी दुनिया पर भी गंभीर आर्थिक और भू-राजनीतिक असर पड़ सकता है. वैश्विक तेल कीमतों, व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभाव के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी इसका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है. इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण इस क्षेत्र में उड़ान संचालन बाधित हुआ है. इजराइल का मुख्य हवाई अड्डा अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है. इजरायल की ध्वजवाहक एल अल एयरलाइंस ने इजरायल से आने-जाने वाली उड़ानें निलंबित कर दी हैं. ईरान ने अगली सूचना तक अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, सूत्रों ने सरकारी मीडिया और पायलटों को दिए गए नोटिस का हवाला देते हुए बताया.

एयर इंडिया ने कहा कि उसने यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर न्यूयॉर्क, वैंकूवर, शिकागो और लंदन से आने वाली उड़ानों को डायवर्ट कर दिया है या उन्हें वापस लौटने पर मजबूर कर दिया है. इराक ने भी अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जिससे उसके हवाई अड्डों पर सभी यातायात निलंबित हो गया है. जॉर्डन के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने कहा कि इजरायल के ऑपरेशन के कई घंटे बाद देश का हवाई क्षेत्र सभी उड़ानों के लिए बंद कर दिया जाएगा. फ्लाइटराडार24 के आंकड़ों के अनुसार कतर एयरवेज ने शुक्रवार को दमिश्क के लिए अपनी दो उड़ानें रद्द कर दीं.

ईरान पर इजरायल के हमलों से तेल की कीमतें बढ़ गईं. अमेरिकी बेंचमार्क कच्चे तेल की कीमत 8.2 फीसदी या 5.6 डॉलर (482 रुपये) बढ़कर 73.61 डॉलर (6,337 रुपये) प्रति बैरल हो गई. अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 5.52 डॉलर (475 रुपये) बढ़कर 74.88 डॉलर (6,446 रुपये) प्रति बैरल हो गई. पश्चिम एशिया में तनाव ने भारत के बाजारों को भी चिंतित कर दिया. शुक्रवार को तेल और गैस शेयरों की वजह से भारतीय शेयरों में गिरावट आई. शुक्रवार की सुबह 9:35 बजे तक निफ्टी 50 1.21 फीसदी गिरकर 24,586.7 पर आ गया और बीएसई सेंसेक्स 1.2 फीसदी गिरकर 80,710.56 पर आ गया.

ईरान पर इजरायल के हमलों के बीच सोने की कीमतों में उछाल आया और यह करीब दो महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया. अनिश्चितता के समय में सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है. भारत की आर्थिक सेहत ओमान की खाड़ी, होर्मुज जलडमरूमध्य, फारस की खाड़ी से गुज?ने वाले व्यापार मार्गों की सुरक्षा और स्वेज नहर को पार करके यूरोपीय बाजारों में प्रवेश करने के लिए लाल सागर में सुरक्षित शिपिंग मार्ग पर काफी हद तक निर्भर करती है.

इजराइल-ईरान युद्ध की संभावना इन व्यापार लाइनों को जोखिम में डालती है. लंबे समय से चल रही अशांति और ईरान पर जारी अमेरिकी प्रतिबंधों ने पहले ही महत्वपूर्ण भारत-ईरान चाबहार बंदरगाह परियोजना में देरी कर दी है, जिसका उद्देश्य मध्य एशियाई बाजारों को जोड़ना है. भारत में शिपिंग कंपनियां चिंतित हैं कि अगर मौजूदा संघर्ष बढ़ता है, तो सुरक्षा जोखिमों के कारण जहाजों को फिर से मार्ग बदलने या उच्च बीमा प्रीमियम का भुगतान करने की आवश्यकता होगी.

मॉडल ब्लड बैंक सेंटर के सहयोग से एमएसएमई विकास कार्यालय के कर्मचारियों ने किया रक्तदान

रायपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर एक दिन पूर्व ही एमएसएमई विकास कार्यालय (भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय), रायपुर द्वारा मॉडल ब्लड बैंक सेंटर अम्बेडकर अस्पताल के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर में एमएसएमई-विकास कार्यालय, रायपुर के श्री योगेश कुमार सहायक निदेशक ग्रेड - 1, श्री उमेश प्रसाद सहायक निदेशक , श्री सौरभ चौरसिया यंग प्रोफेशनल, मिस आरती राठौर स्टेनोग्राफर, श्री मनोज कुमार हालदार एमटीएस, श्री निराकार विभार एमटीएस द्वारा द्वारा रक्तदान किया गया। इस अवसर पर मॉडल ब्लड बैंक सेंटर के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी तथा अन्य सहयोगी स्टाफ उपस्थित रहे।

राजधानी

■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी

रायपुर, रविवार 15 जून, 2025

न्यूज गैलरी

दो दिवसीय प्रवास पर आ रहे शिवसेना के राष्ट्रीय सचिव अड़सुल

रायपुर। शिवसेना के राष्ट्रीय सचिव अभिजीत अडसूल दो दिवसीय प्रवास पर रविवार की रात्रि 9 बजे राजधानी रायपुर पहुंच रहे है जहां वे सोमवार को दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यकम में शिरकत करेंगे और संगठन को कैसे मजबूत किया जा सकता है इस बारे में छत्तीसगढ़ी के पदाधिकायिों से चर्चा करेंगे।
प्रदेश प्रवक्ता संतोष शुक्ला, प्रदेश महासचिव दिनेश सिंह ठाकुर, संजय नाग, एच.एन. सिंह पालीवार ने संयुक्त पत्रकारवार्ता में बताया कि अडसूल 15 जून की रात्रि 9 बजे माना विमानतल पहुँचेंगे जहां उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे सीधे बेबीलॉन इन में रात्रि विश्राम करेंगे। इससे पहले वे प्रमुख पदाधिकारियों से भेंट-मुलाकात करेंगे। दूसरे दिन सोमवार, 16 जून को सुबह 10 बजे वे वहां से निकलकर शास्त्री चौक, जय स्तंभ चौक, शारदा चौक, नवीन बाजार, आजाद चौक, राजकुमार कॉलेज कर्बला चौक होते हुए कार्यक्रम स्थल दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम पहुंचेंगे जहां भव्य आतिशबाजी की जाएगी। सुबह 11 बजे कार्यक्रम की शुरूआत होगी जोगी दोपहर 3 बजे तक चलेगा जिसमें छत्तीसगढ़ के समस्त जिला के प्रमुख और प्रदेश स्तर के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे वे संगठन को कैसे मजबूती प्रदान कर सकते है इस बारे में बारीकी से चर्चा करेंगे। इसके साथ ही बुथ स्तर में हम कैसे पहुंच सकते है इस बारे में चर्चा की जाएगी।

रायपुर मेडिकल कॉलेज की छात्रा ने कोरबा के घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोरबा। रायपुर के एक मेडिकल कॉलेज में पिछले पांच सालों से पढ़ाई कर करीब 15 दिन पहले ही रायपुर से कोरबा अपने घर लौटी 22 वर्षीय छात्रा छाया गौतम ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के मुताबिक रायपुर से लौटने के बाद से ही छाया मानसिक तनाव में थी। उसने अपने पिता शशि भूषण गौतम जो एसईसीएल में कार्यरत हैं, को बताया था कि उसे पढ़ाई के दौरान कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पिता ने उसकी परेशानी को गंभीरता से लेते हुए कोरबा के एक निजी अस्पताल में इलाज भी शुरू करवाया था। शुक्रवार सुबह जब घर में कोई नहीं था, तब छाया ने कला मंदिर क्षेत्र स्थित एम-55 माइनस क्वार्टर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उस समय पिता ड्यूटी पर थे और मां भी बाहर गई हुई थीं। जब परिवार वालों को पता चला, तो उन्होंने तुरंत छाया के पिता को फोन पर इसकी जानकारी दी। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने छाया को श्रद्धांजलि दी है।
कुसमुंडा थाना प्रभारी राकेश गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों के बयान दर्ज कर लिए हैं। अब छाया की आत्महत्या के पीछे की वजह जानने के लिए रायपुर मेडिकल कॉलेज और उसकी सहेलियों से पूछताछ की जाएगी। साथ ही, उसके मोबाइल की कॉल डिटेल भी खंगाली जा रही है।

उरला के बालाज कार्बन एंड राइफेक्ट्रीज फैक्ट्री में लगी भीषण आग

रायपुर। राजधानी रायपुर से लगे औद्योगिक क्षेत्र उरला के बोरझरा इलाके में स्थित बालाज कार्बन एंड राइफेक्ट्रीज प्रा लि. फैक्ट्री में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई।
इस फैक्ट्री में डामर बिटूमिन बनता है और आग लगने के कारणों के बारे में फिलहाल अभी तक पता नहीं चल सका है। आग लगने की सूचना पर उरला पुलिस और दमकल की वाहन मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। चूंकि दमकल वाहनों को पानी भरने के लिए शहर तक आना पड़ता इसके लिए उन्होंने पास में ही स्थित बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड से पानी लेना उचित समझा और आग को नियंत्रण पाने में जुट गए, फिलहाल आग पर काबू समाचार लिखे जाने तक नहीं पाया जा सका था।

छत्तीसगढ़ में शिक्षा का नया सूर्योदय, अब कोई स्कूल शिक्षक विहीन नहीं

00 एकल शिक्षकीय शालाओं की संख्या में हुई 80 प्रतिशत की कमी, 00 मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में युक्तियुक्तकरण से शिक्षा व्यवस्था को मिली नई दिशा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एक नया आयाम स्थापित किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी नीति के चलते आज प्रदेश का प्राथमिक से लेकर हायर सेकण्डरी तक कोई भी स्कूल शिक्षक विहीन नहीं रह गया है। राज्य की एकल शिक्षकीय शालाओं की संख्या में 80 प्रतिशत की कमी आई है। यह परिवर्तन युक्तियुक्तकरण के माध्यम से संभव हो सका है, जिसका उद्देश्य राज्य के शैक्षणिक संसाधनों का न्यायसंगत उपयोग, शिक्षकों की तर्कसंगत पदस्थापना और शिक्षा के अधिकार अधिनियम व नई शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप शालाओं में आवश्यकता के अनुरुप शिक्षकों की पदस्थापना रहा है।
गौरतलब है कि युक्ति -युक्त करण से पर्व प्रदेश में 453 विद्यालय शिक्षक विहीन और 5936 विद्यालयों में मात्र एक ही शिक्षक पदस्थ था। विशेषकर सुकमा, नारायणपुर और बीजापुर जैसे दूरस्थ और संवेदनशील जिलों में यह समस्या अधिक थी। इस विसंगति को दूर करने के लिए राज्य सरकार ने जिला, संभाग और राज्य स्तर पर तीन चरणों में शिक्षकों की काउंसलिंग की प्रक्रिया चलाई। इसके परिणामस्वरूप, आज प्रदेश का कोई भी स्कूल शिक्षक विहीन नहीं है और सभी हाई स्कूलों में न्यूनतम आवश्यक शिक्षक नियुक्त किए जा चुके हैं।
मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने युक्ति- युक्तकरण के जरिये स्कूलों में शैक्षिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि हमने यह ठान लिया था कि छत्तीसगढ़ में अब कोई बच्चा शिक्षक के बिना नहीं पढ़ेगा। युक्तियुक्तकरण के माध्यम से हम न केवल शिक्षा के अधिकार अधिनियम का पालन कर रहे हैं, बल्कि एक मजबूत और समान शिक्षा प्रणाली की नींव भी रख रहे हैं। यह सिर्फ स्थानांतरण नहीं, यह शिक्षा में न्याय की पुनर्स्थापना है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि एकल शिक्षकीय शालाओं की स्थिति में सुधार सरकार की प्राथमिकताओं में है और आगामी महीनों में पदोन्नति और नई नियुक्तियों के माध्यम से इन विद्यालयों में अतिरिक्त शिक्षक भेजे जाएंगे।
राज्य सरकार अब उन 1207 प्राथमिक विद्यालयों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जहां अभी भी एक शिक्षक है। इसके समाधान हेतु प्राथमिक शाला प्रधान पाठकों की पदोन्नति, शिक्षकों की पदस्थापना तथा भर्ती प्रक्रिया को प्राथमिकता देने की रणनीति बनाई गई है। राज्य में एकल शिक्षक वाले प्राथमिक विद्यालयों में बस्तर जिले में 283, बीजापुर 250,सुकमा 186,मोहला -मानपुर - चौकी 124,कोरबा 89, बलरामपुर 94,नारायणपुर 64,धमतरी 37,सूरजपुर 47,दंतेवाड़ा 11,अन्य जिले में मात्र 22 शालाएं है। इन शालाओं में जल्द ही आवश्यकता के अनुसार शिक्षकों की तैनाती की जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार का यह प्रयास शिक्षा को समावेशी बनाने और हर बच्चे को शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध कराना है। इस पूरी प्रक्रिया ने यह साबित किया है कि युक्तियुक्तकरण केवल प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि यह एक सामाजिक न्याय आधारित शिक्षा सुधार है, जिसके केंद्र में हर बच्चा, हर गांव, हर स्कूल है।

वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन तैयार करने संशोधन आदेश जारी, अब मूल्यांकन 15 जुलाई से होगी शुरू

रायपुर। सामान्य प्रशासन विभाग ने वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन तैयार करने के लिए संशोधन आदेश जारी कर दिया है। यह आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों को छोड़ कर राज्य संवर्ग के अधिकारी - कर्मचारियों के लिए होगा। अधिकारी-कर्मचारी अपना मूल्यांकन 15 जुलाई से शुरू कर सकेंगे और अंतिम मूल्यांकन 30 अक्टूबर तक हो सकेगा।
शासकीय सेवकों की (अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को छोड़कर) वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन लिखे जाने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी करते हुए विभागीय समसंख्यक पत्र लिखा कि दिनांक 23 मई, 2025 द्वारा राज्य के शासकीय सेवकों की (अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को छोड़कर) वर्ष 2024-25 के वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन लिखे जाने हेतु समय-सीमा निर्धारित किया गया है।
बार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन लिखे जाने हेतु नवीन प्रपत्र लागू किया गया है, जिसमें मांकन किये जाने हेतु तकनीकी कठिनाईयां आ रहीं है। ऐसी स्थिति में सभी शासकीय सेवकों की वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन संबंधितों द्वारा निर्धारित समय-सीमा पर लिखा जाना संभव नहीं हो रहा है। अतएव राज्य शासन एतद् द्वारा राज्य के शासकीय सेवकों की (अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को छोड़कर) वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन में लिखने की निर्धारित समयावधि में (केवल वर्ष 2024-25 की अवधि के लिए) परिवर्तन कर निम्नानुसार समय-सीमा निर्धारित की गई है जिसके अनुसार चालू वर्ष के लिए स्वमूल्यांकन 15 जून की जगह 15 जुलाई 2025,प्रतिवेदक अधिकारी द्वारा मूल्यांकन 15 जुलाई की जगह 15 अगस्त, 2025, समीक्षक अधिकारी द्वारा मूल्यांकन 14 अगस्त की जगह 15 सितम्बर, 2025 है।

भीषण गर्मी, 15 की जगह 1 जुलाई से स्कूलों को शुरू करने आकाश ने सीएम को लिखा पत्र

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नाम छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ में बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए छोटे बच्चों और पालकों को राहत देने के लिए स्कूलों को 16 जून से शुरू किया जाना था उसे 15 दिन और आगे बढ़कर 1 जुलाई से विद्यालयों को शुरू करने का निवेदन किया है। आकाश ने अपने पत्र में लिखा है कि वर्तमान में सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ प्रदेश भीषण गर्मी की चपेट में है। तापमान लगातार 44 से 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच रहा है, जिससे आमजन विशेषकर स्कूली छात्र-छात्राएं और उनके पालकों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। गर्मी की इस चरम स्थिति में यदि विद्यालय निर्धारित तिथि पर प्रारंभ होते हैं, तो विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अत्यधिक तापमान में बच्चों का विद्यालय आना-जाना न केवल उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि इससे हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं का भी खतरा बना हुआ है। इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के समस्त शासकीय एवं निजी विद्यालयों को खोलने की तिथि में संशोधन करते हुए उन्हें अगले माह की 1 तारीख से प्रारंभ किए जाने हेतु तत्काल प्रभाव से आदेश जारी किया जाए। इससे न केवल बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि पालकों की चिंता भी कम होगी। जनहित में शीघ्र निर्णय लेते हुए इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

धर्मनगर इलाके में किराए के मकान में रह रहा बांग्लादेशी परिवार गिरफ्तार

रायपुर। टिकरापारा के धर्मनगर इलाके में किराए के मकान में रह रहे बांग्लादेशी परिवार को मुखबिर की सूचना पर टिकापारा पुलिस ने आज परिवार सहित गिरफ्तार कर लिया है। फर्जी दस्तावेज के जरिए वह यहां अंडा ठेला लगाकर जीवन यापन करता था।
प्राप्त जानकारी के अनुसार बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद दिलावर खान और उसकी पत्नी परवीन बेगम को बच्चों के साथ धर्मनगर इलाके में किराए के मकान लेकर रहा रहे गिरफ्तार किया। वह मूलतः मुख्तारपुर, थाना मुंशीगंज, बांग्लादेश का मूल निवासी है और यहां रहकर अंडा ठेला लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा था।

33000 शिक्षको की भर्ती प्रक्रिया हो प्रारंभ नहीं तो प्रशिक्षित डीएड, बीएड, डीएड एवं बीएड, कला संकाय, व्यायाम शिक्षक, लाइब्रेरियन एवं एमए छत्तीसगढ़ी डिग्रीधारी युवा करेंगे राजधानी में बड़ा प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रशिक्षित डीएड एवं बीएड संघ एवं प्रशिक्षित डीएड एवं बीएड कला संकाय संघ, व्यायाम शिक्षक संघ, लाइब्रेरियन संघ एवं एमए छत्तीसगढ़ी डिग्रीधारी युवाओ ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि प्रदेश में 45000 से अधिक प्राथमिक व माध्यमिक शालाएं है तथा इन शालाओं में बच्चो की उपस्थिति के आधार पर स्कूल शिक्षा विभाग सेटअप में स्वीकृत शिक्षको की पदों की संख्या को युक्तियुक्तकरण के बहाने सेटअप में संशोधन कर कम कर रही है जिससे शिक्षक भर्ती अन्य पदों पर भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओ में रोष व्याप्त है।
संघ प्रमुखों ने कहा है कि सरकार को युक्तियुक्तकरण के अंतर्गत सेटअप में परिवर्तन नही करना चाहिए जिससे आने वाले समय मे भर्ती की संभावना बनी रहे साथ ही तत्कालीन शिक्षा मंत्री द्वारा विधानसभा में घोषित 33000 शिक्षको के पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द ही प्रारम्भ करनी चाहिए, अगर सरकार 7 दिवस के भीतर इस विषय को गंभीरता से लेते हुए कार्य नही करती तो उसके बाद प्रदेशभर के युवा रायपुर शहर में प्रदर्शन करेंगे जिसकी जिम्मेदार प्रदेश सरकार होगी।

एक ही परिवार के पांच लोगों ने खाया जहर, तीन बच्चों की मौत

कांकेर। चंद्रपुर ग्राम पंचायत के 'परलकोट विलेज-70' में एक ही परिवार के पांच लोगों ने जहर खा लिया जिससे तीन बच्चों की मौत हो गई है तथा दंपति गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। प्रथम दृष्टया आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होना पाया गया है, लेकिन फिर भी पुलिस जांच में जुटी हुई है।
पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार रात परतापुर थाना क्षेत्र में चंद्रपुर ग्राम पंचायत के 'परलकोट विलेज-70' की है जहां गांव के निवासी देवेंद्र बैरागी (36) ने खाने में जहर मिलाकर अपने बच्चों दीप्ती बैरागी (12), जुतिका बैरागी (नौ) और देवराज बैरागी (छह) को खिला दिया। इसके बाद बैरागी और उसकी पत्नी नमिता ने भी जहर खा लिया। तीनों बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है तथा पति-पत्नी को गंभीर हालत में पंखाजूर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
घटना की सूचना मिलते ही पुलिस वहां पहुंची और घटनास्थल पर लिए गए फोटो में देखा जा सकता है कि घर में जमीन पर बिछे एक बिस्तर पर तीन बच्चों के शव हैं तथा शवों के करीब थालियों में भोजन परोसा हुआ है। शुरूआती जांच के अनुसार परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। संभवतः इसी वजह से परिवार ने यह कदम उठाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com